राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,02 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–305 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट ने कहा– क्या जल्लीकट्टू को किसी रूप में अनुमति दी जा सकती है

नई दिल्ली। बैलों को वश में करने के खेल जल्लीकट्टू को अनुमति देने वाले तमिलनाडु के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि मौलिक प्रश्न यह है कि इस खेल को किसी भी प्रारूप में अनुमति दी जा सकती है या नहीं, जिसे कई लोग पशुओं के साथ क्रूरता मानते हैं। मालूम हो कि इस खेल का आयोजन राज्य में पोंगल पर्व पर किया जाता है।

कई याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकीलों ने जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ से कहा कि पशुओं के प्रति क्रूरता की किसी भी गतिविधि को मंजूरी की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस दौरान पीठ ने कहा, तमिलनाडु सरकार का कहना है कि ये बैल प्रशिक्षित होते हैं और उनके साथ बेहद प्रेम का व्यवहार किया जाता है। इस मामले पर बुधवार को पूरे दिन बहस हुई जो शाम 5.30 बजे तक चली। बहस गुरुवार को भी जारी रहेगी।

तमिलनाडु सरकार ने दी थी अनुमति

शीर्ष अदालत ने अपने 2014 के फैसले में कहा था कि सांडों को 'जल्लीकट्टू' कार्यक्रमों या बैलगाड़ी दौड़ में शामिल होने वाले जानवरों के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है और देश भर में इन उद्देश्यों के लिए उनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। तमिलनाडु सरकार ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 में संशोधन किया था और अपने यहां 'जल्लीकट्टू' की अनुमति दी थी।

जानवर के प्रति है क्रूरता

न्यायमूर्ति रस्तोगी ने कहा कि समस्या यह है कि नियम किसी भी रूप में हो सकते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कभी मेल नहीं खाती। उन्होंने कहा, 'सवाल सिर्फ इतना है कि हम जमीनी हकीकत का संज्ञान नहीं ले सकते, क्योंकि यह योजना से मेल नहीं खाती।

जी–20 की अध्यक्षता संभालेगा भारत, सालभर में 55 स्थानों पर 200 बैठकों का होगा आयोजन

नई दिल्ली। भारत गुरुवार से औपचारिक रूप से एक वर्ष के लिए दुनिया के आर्थिक रूप से संपन्न देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता संभाल लेगा। इस दौरान भारत के पास अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर वैश्विक एजेंडे में योगदान करने का अनूठा अवसर होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए जी-20 एक प्रमुख मंच है जो वैश्विक त्ष्ठक्क का 85 प्रतिशत, दुनियाभर के कारोबार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है।

अगले साल होगा जी-20 की शिखर बैठक का आयोजन

जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत देश के 55 स्थानों पर 32 विभिन्न सेक्टरों में लगभग 200 बैठकों का आयोजन करेगा। जी-20 की शिखर बैठक का आयोजन अगले साल होगा जो भारत की मेजबानी में सर्वोच्च स्तर की बैठकों में से एक होगी। जी-20 की पहली बैठक दिसंबर के पहले हफ्ते में उदयपुर में होगी। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवंबर माह की शुरुआत

में भारत की अध्यक्षता में जी-20 का लोगो, थीम और वेबसाइट लांच की थी। इसके लोगो में कमल का फूल भारत की प्राचीन विरासत, आस्था और विचारधारा का प्रतीक है।

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइटों समेत केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित सौ स्मारकों को किया जाएगा रोशन

भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने के साथ ही एक हफ्ते के लिए यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइटों समेत केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित सौ स्मारकों को रोशन किया जाएगा। इन स्मारकों में दिल्ली में हुंमायू का मकबरा व पुराना किला, गुजरात में मोढेरा सूर्य मंदिर, ओडिशा का सूर्य मंदिर, बिहार में शेरशाह का मकबरा व राजगीर में

● **जी–20 की अध्यक्षता के दौरान भारत देश के 55 स्थानों पर 32 विभिन्न सेक्टरों में लगभग 200 बैठकों का आयोजन करेगा। जी–20 की शिखर बैठक का आयोजन अगले साल होगा जो भारत की मेजबानी में सर्वोच्च स्तर की बैठकों में से एक होगी। जी–20 की पहली बैठक दिसंबर के पहले हफ्ते में उदयपुर में होगी। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवंबर माह की शुरुआत में भारत की अध्यक्षता में जी–20 का लोगो, थीम और वेबसाइट लांच की थी।**

नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर व प्राचीन संरचनाएं एवं अन्य स्मारक, बंगाल की राजधानी कोलकाता में मेटकाफ हाल व मुद्रा भवन, गोवा में बेसिलिका आफ बाम जीसस व चर्च आफ लेडी आफ रोजरी, कर्नाटक में टीपू सुल्तान का महल व गोल गुंबज और मध्य प्रदेश में सांची बौद्ध स्मारक व ग्वालियर का किला शामिल हैं।

जी- 20 लोगो को किया जएगा हाईलाइट

इस दौरान इन स्मारकों पर जी-20 का लोगो भी हाईलाइट किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि स्मारक पर प्रोजेक्ट किए जाने वाले लोगो का आकार उस स्थल की प्रकृति और डिजाइन पर निर्भर होगा। भारत में 40 यूनेस्को व?र्ल्ड हेरिटेज साइटें हैं और अधिकतर सांस्कृतिक साइटें आर्कियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया (एएसआइ) के तहत आती हैं।

आज से यूएनएससी की अध्यक्षता भी संभालेगा भारत

भारत गुरुवार से एक महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता भी संभाल रहा है। 15 सदस्यीय परिषद के निर्वाचित सदस्य के रूप में दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान पिछले वर्ष अगस्त के बाद भारत दूसरी बार यह अध्यक्षता संभालेगा। अध्यक्षता संभालने से पहले यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार और मंगलवार को क्रमश- संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी व संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस से मुलाकात की और प्राथमिकताओं व कार्यक्रमों पर चर्चा की। यूएनएससी में भारत का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा।

अब चील और कुत्ते दुश्मनों के ड्रोन को लगाएंगे ठिकाने, भारतीय सेना ने की ऐसी तैयारी

नई दिल्ली। हिमालय के पार से ड्रोन के खतरे का सामना कर रही भारतीय सेना ने चीलों और कुत्तों को प्रशिक्षित किया है, जो दुश्मनों के ड्रोन को ठिकाने लगाएंगे और सेना की एक अहम टुकड़ी के रूप में काम करेंगे। उत्तराखंड में LAC से करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर भारत और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध अभ्यास के दौरान इन दो प्रशिक्षित जानवरों के करतब का प्रदर्शन किया गया।

सेना ने प्रशिक्षित चील और एक कुत्ते को परखने के लिए स्थितियां पैदा की। तब प्रशिक्षित कुत्ते ने ड्रोन के स्थान की पहचान करने के लिए अपनी कौशल क्षमता का इस्तेमाल किया और बाद में, ड्रोन को नीचे गिराने के लिए चील को भेजा गया।

जब, सेना कई स्वचालित ड्रोन को नेस्तनाबूद करने के विकल्पों की कोशिश कर रही है, तब ऐसे समय में चील और कुत्ते की जोड़ी ने सीमा पार से पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आने वाले ड्रोन के खतरे से निपटने में सक्षम होने का उदाहरण पेश किया है। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले देखने को मिले हैं, जब पाकिस्तान की तरफ से आए ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में ड्रग्स, हथियार और पैसों की खेप की सप्लाई की है।

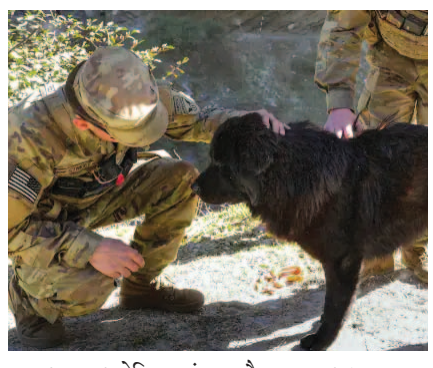

भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य युद्ध अभ्यास का 18वां संस्करण दो सप्ताह पहले उत्तराखंड के औली में शुरू हुआ है। युद्धाभ्यास के दौरान दोनों देशों के बीच सैन्य इंजीनियरिंग और काउंटर-यूएवी तकनीकों के रोजगार सहित युद्ध कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम पर आदान-प्रदान शामिल हैं।

सरकारी कार्यक्रमों में मांसाहारी भोजन पर लगेगा प्रतिबंध ? संसद में बिल लाएंगे बीजेपी सांसद

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद परवेश साहिब सिंह आधिकारिक सरकारी कार्यक्रमों में मांसाहारी भोजन परोसने पर रोक लगाने को लेकर एक प्राइवेट मेंबर बिल लेकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, जर्मनी के पर्यावरण मंत्रालय ने सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों में मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा क्योंकि इसका जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग पर बहुत बड़ा प्रभाव है। भारत में भी हम मांसाहारी भोजन से दूर जाने की पहल कर सकते हैं क्योंकि इसमें बहुत अधिक कार्बन फुट प्रिंट है। आपको बता दें कि सरकारी कार्यक्रमों में मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ प्राइवेट सेक्टर में रिश्वतखोरी को रोकने को लेकर एक प्राइवेट मेंबर बिल उन विधेयकों की लिस्ट में शामिल हैं जिन पर संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में चर्चा की जाएगी। लोकसभा की अधिसूचना के अनुसार, इस सत्र में सदस्यों के कुल 20 बिल चर्चा के लिए सूचीबद्ध किए गए हैं। आपको बता दें कि अधिकांश प्राइवेट मेंबर बिल संक्षिप्त चर्चा के बाद खारिज कर दिए जाते हैं। आजादी के बाद से अब तक संसद में ऐसे 14 कानून पारित किए जा चुके हैं। 1970 में आखिरी प्राइवेट मेंबर बिल को मंजूरी दी गई थी। भाजपा सांसद ने कहा कि बिल आम लोगों के लिए मांसाहारी भोजन पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग नहीं करता है। लेकिन कम से कम सरकार की ओर से हम स्थायी खाद्य प्रणाली और जलवायु अनुकूल जीवन शैली की दिशा में एक कदम बढ़ा सकते हैं।

भारत में भी हम मांसाहारी भोजन से दूर जाने की पहल कर सकते हैं क्योंकि इसमें बहुत अधिक कार्बन फुट प्रिंट है। आपको बता दें कि सरकारी कार्यक्रमों में मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ प्राइवेट सेक्टर में रिश्वतखोरी को रोकने को लेकर एक प्राइवेट मेंबर बिल उन विधेयकों की लिस्ट में शामिल हैं

चुनावी रैलियों में अति विशिष्ट लोगों की सुरक्षा का होगा कड़ा इंतजाम

एंटी-ड्रोन गन की होगी तैनाती

नई दिल्ली। गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनावी रैलियों के दौरान अति विशिष्ट लोगों की सुरक्षा के लिए एंटी ड्रोन गन की तैनात की गई है। एनएसजी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि चुनावी दौरे के दौरान प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य की सुरक्षा को लेकर कड़ी चौकसी बरती जा रही है।

रैलियों में हो रही है एंटी ड्रोन गन की तैनाती–उन्होंने कहा कि रैलियों में एंटी ड्रोन गन की तैनाती की जा रही है। इससे पहले उत्तर के विधानसभा चुनाव में एंटी ड्रोन गन की तैनाती की गई थी। ये किसी भी हवाई हमले से अति विशिष्ट लोगों को बचाने में बहुत ही उपयोगी साबित हुए थे। इस बीच अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली के दौरान तीन निजी ड्रोन उड़ाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

सटोरिये कर रहे भविष्यवाणी

समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक सट्टा बाजार चलाने वाले सटोरियों ने भविष्यवाणी की है कि गुजरात में फिर से भाजपा की सरकार दिख सकती है। उन्होंने 182 सदस्यीय विधानसभा में भगवा पार्टी के लिए 125 सीटों का अनुमान लगाया है। नाम न छापने की शर्त पर एक सटोरिये ने कहा, हमारे आंकलन के अनुसार भाजपा को हम 125-139, कांग्रेस को 40-50 और आम आदमी पार्टी को केवल 6-7 की भविष्यवाणी कर रहे हैं।

दिल्ली शराब घोटाले में केसीआर की बेटी का नाम, ईडी ने अमित अरोड़ा की रिमांड रिपोर्ट में टीआरएस नेता का नाम लिया

नई दिल्ली/हैदराबाद। दिल्ली शराब घोटाले मामले में अब तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी और MLC के. कविता का नाम भी शामिल हो गया है। ED ने जांच को लेकर कुछ दस्तावेज बुधवार को अदालत में पेश किया। इसमें कविता का नाम भी है।

कविता ने AAP नेताओं को 100 करोड़ रुपए भुगतान कराए- ED

मामले में ED ने बुधवार को गुरुग्राम से कारोबारी अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया था। ED के मुताबिक अमित अरोड़ा ने अपने बयानों में TRS नेता के नाम का खुलासा किया है। एजेंसी ने दावा किया कि कविता साउथ ग्रुप की एक मुख्य लीडर थीं। उन्होंने अन्य कारोबारी के माध्यम से दिल्ली में आप सरकार के नेताओं को 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया। हालांकि इस मामले में तेलंगाना सरकार या TRS के किसी भी नेता के तरफ से इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

एजेंसी ने यह भी बताया कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के PA सहित कम से कम 36 आरोपियों ने कथित घोटाले में हजारों करोड़ रुपए के किकबैक के सबूत छिपाने के लिए 170 फोन नष्ट कर दिए।

ED ने 3 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की–पिछले सोमवार को इस मामले में ED ने 3 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें डिप्टी CM मनीष सिसोसिया का नाम नहीं था। ED ने कोर्ट को बताया कि हम अभी सिर्फ समीर महेंद्रू के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर रहे हैं, जल्द ही दूसरे आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

● **मामले में ED ने बुधवार को गुरुग्राम से कारोबारी अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया था। ED के मुताबिक अमित अरोड़ा ने अपने बयानों में TRS नेता के नाम का खुलासा किया है। एजेंसी ने दावा किया कि कविता साउथ ग्रुप की एक मुख्य लीडर थीं। उन्होंने अन्य कारोबारी के माध्यम से दिल्ली में आप सरकार के नेताओं को 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया।**

पहाड़ी इलाकों में हो सकती है बर्फबारी, इन राज्यों में बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। उत्तर भारत में दिसंबर की शुरुआत से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। ज्यादातर राज्यों में पारा लुढ़कने का अनुमान जताया गया है। दिल्ली, यूपी, बिहार, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में ठंड के बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में पहाड़ों में बर्फबारी भी हो सकती है। इसी बीच, विभाग ने दक्षिणी राज्यों में मध्यम और भारी बारिश का अनुमान जताया है। आपको बताते हैं कि देश के विभिन्न राज्यों में मौसम कैसा रहने वाला है।

देश की राजधानी में भी ठंड बढ़ने लगी है। अगले कुछ दिनों में तापमान और गिर सकता है। वहीं, दिल्ली में कुछ जगहों पर गुरुवार सुबह धुंध छाई रही। साथ ही हवा में प्रदूषण का स्तर और बिगड़ सकता है। वहीं, सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (स्न्न्क्र) के अनुसार दिल्ली में त्क्ष्ठ 335 (बहुत खराब) श्रेणी में है।

हिमाचल में 3 दिसंबर तक साफ रहेगा मौसम

हिमाचल प्रदेश में 3 दिसंबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान जताया गया है। तीन दिसंबर के बाद ही राज्य में बारिश हो सकती है। प्रदेश के मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पाल ने कहा कि बीते कुछ सालों में नवंबर में बहुत कम वर्षा हो रही है। ऊपरी क्षेत्रों में हिमपात और वर्षा तो जरूर हुई, लेकिन अन्य क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है। कम बारिश का असर फसल पर देखने को मिल रहा है।

इन राज्यों में होगी बारिश

मौसम विभाग की माने तो पूर्वी लहर के

कारण अगले 4-5 दिनों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में छिटपुट से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

उत्तराखंड में आने वाले दो दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। हालांकि मैदानों में फिलहाल न्यूनतम तापमान स्थिर रह सकता है। मैदानी इलाकों में अधिकतर स्थानों पर हल्के से गहरा कोहरा व धुंध छाये रहने और पहाड़ों में पाला पड़ने की संभावना है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में 15.1 डिग्री सेल्सियस से अधिक अंतर रहने की संभावना है। बता दें कि पाले से पहाड़ों में ठंड में इजाफा हो सकता है। बुधवार को मैदान से पहाड़ तक चटख धूप खिली रही। देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 25.3 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 10.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

बिहार में बदला मौसम का मिजाज

पटना समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों में मौसम का मिजाज बदला नजर आ रहा है। प्रदेश के कई जिलों के न्यूनतम तापमान में वृद्धि तो कई में आंशिक गिरावट की स्थिति बनी है। बुधवार को प्रदेश के सात जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। राजधानी समेत प्रदेश के 14 जिलों के न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई।

दो-तीन दिनों बाद दिखेगा मौसम में बदलाव

मौसम विज्ञानी की मानें तो प्रदेश में पछुआ के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव का क्रम जारी रहेगा। अगले तीन दिनों तक तापमान में कोई विशेष बदलाव के आसार नहीं है। औसत न्यूनतम तापमान 14-16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। तीन दिनों बाद न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट के साथ ठंड में वृद्धि की संभावना है। बुधवार को कोहरे की सघनता में भी बढ़ोतरी से दृश्यता में कमी देखी गई। राजधानी व इसके आसपास इलाकों में सुबह के समय मौसम साफ रहा लेकिन शाम होते हीं कोहरा छाया रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बिखरे विपक्ष का लाभ भाजपा को!

एक तरफ भाजपा है दूसरी ओर अन्य राजनीतिक पार्टियां अपने अपने दम पर चुनाव लड़ रही है जिनमें आपसी कोई मेल मिलाप नहीं हैं निश्चित तौर पर विपक्ष के इस बिखराव का लाभ भाजपा को पूर्ण रूप से मिलेगा। चुनावी सर्वेक्षण में दोनों राज्यों में भाजपा को आगे बताया जा रहा है। इस तरह के परिवेश इन दोनों राज्यों में फिर से सत्ता में भाजपा की वापसी दर्शा रहे है।

(लेखक - डॉ. भरत मिश्र प्राची)

हिमाचल प्रदेश के विधान सभा के चुनाव 12 नवम्बर हो गये जहां मतदान प्रतिशत पहले से कम रहा। अब 1 दिसम्बर एवं 5 दिसम्बर कों विधान सभा चुनाव गुजरात राज्य में होने जा रहे है जहां पूरे देश की नजर टिकी हुई है। 8 दिसम्बर को दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणम एक साथ आयेंगे। इन चुनावों में सत्ता पक्ष भाजपा कांग्रेस आप एवं ओवैसी नेतृत्व वाली राजनीतिक पार्टी मुख्य रूप से चुनाव मैदान में है। एक तरफ भाजपा है दूसरी ओर अन्य राजनीतिक पार्टियां अपने अपने दम पर चुनाव लड़ रही है जिनमें आपसी कोई मेल मिलाप नहीं हैं निश्चित तौर पर विपक्ष के इस बिखराव का लाभ भाजपा को पूर्ण रूप से मिलेगा। चुनावी सर्वेक्षण में दोनों राज्यों में भाजपा को आगे बताया जा रहा है। इस तरह के परिवेश इन दोनों राज्यों में फिर से सत्ता में भाजपा की वापसी दर्शा रहे है। गुजरात में चुनाव प्रचार अपने अंतिम चरण में जहां भाजपा जोर - शोर से प्रचार - प्रसार में लगी हुई है। इस कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कई रैलियां गुजरात विधानसभा चुनाव परिदृश्य में आयोजित की गई। साथ ही देश के गृह मंत्री अमीत साह के साथ -साथ असम उत्तर प्रदेश भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भाजपा अध्यक्ष जे पी चड्ढा एवं कई वरिष्ठ भाजपा नेता गुजरात में पड़ाव डाले हुये है। गुजरात राज्य भाजपा शासित केन्द्र सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमीत साह का गृह प्रदेश भी है। इसी कारण गुजरात चुनाव भाजपा के लिये प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। जहां की जीत हार आगामी लोक सभा चुनाव को भी प्रभावित करने वाली है। इसी राज्य में आप पार्टी भी जोर शोर से प्रचार - प्रसार में लगी हुई है और सत्ता तक पहुंचने का दावा कर रही है जबकि गुजरात में ऐसा होना नाममुकिन है। गुजरात राज्य की राजनीतिक स्थिति पंजाब से अलग है। गुजरात राज्य देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमीत साह का गृह प्रदेश है जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को मिलना स्वाभाविक है। पंजाब में चुनाव पूर्व कांग्रेस द्वारा कैख् अमरेन्द्र सिंह को हटाकर नये मुख्यमंत्री बनाये जाने से कांग्रेस कमजोर हो गई जिसका राजनीतिक लाभ आप को मिला आप सत्ता तक पहुंच गई । पंजाब में भाजपा का वजूद कोई खास नहीं था। पर गुजरात एवं हिमाचल में कांग्रेस सत्ता के करीब है जहां कांग्रेस में फिलहाल कोई बगावत नहीं। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस चुनाव उपरान्त दूसरे नं. की राजनीतिक पार्टी रहेगी। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस को आप एवं ओवैसी की राजनीतिक पार्टी से नुकसान होने की संभावना है। इन दोनों को वोट कटुवा कहा जा रहा हे। राजनीति में उतार चढ़ाव तो आते ही रहते। हिमाचल में इस बार सत्ता परिवर्तन की उम्मीद की जा रही थी पर आप एव ओवैसी के प्रवेश से कांग्रेस का वोट बैंक जरूर प्रभावित हुआ है। यह प्रभाव गुजरात में भी देखने को मिलेगाा। इस तरह विपक्ष के बिखराव का राजनैतिक लाभ भाजपा को मिलना स्वाभाविक है।

सूक्ति

क्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है।
- प्रेमचंद

आत्मसंयम अनुशासन और बलिदान के बिना राहत या मुक्ति की आशा नहीं की जा सकती।
- महात्मा गांधी

लॉफिंग ज़ोन

एक बहरे का मित्र बहुत बीमार था। उसने सोचा कि मुझे उसे मिलने जरूर जाना चाहिए परन्तु वह सोचने लगा कि 'मैं उसकी बात कैंसे सुनूंगा पर उसने सोचा जाने में हर्ज क्या हैं। रात मैं ज्यादा बात ही नहीं करूंगा। पूछूंगा कैसी तबियत है, फिर पूछूंगा किसकी दवाई चल रही है फिर उससे खाने-पीने के बारे में पूछूंगा। सोचते-सोचते वह मित्र के घर जा पहुंचा और बोला, 'तबियत कैसी हां?'

मित्र, 'मर रहा हूं।'

बहरा मित्र, 'अच्छा है। भगवान ऐसा ही करे। दवा किसकी चल रही है?'

मित्र, 'भूत की।'

बहरा मित्र, 'हां वह अच्छे डाक्टर हैं। दवा से ठीक हो जाओगे। खाना में क्या बताया है।'

मित्र (तंग आकर), 'पत्थर।'

बहरा मित्र, 'ठीक है। पचने में हल्का है।'

□ □ □

दो मुर्गो में बातचीत हो रही थी। एक बोला, 'आज कल तुम बहुत आलसी हो गए हो। सुबह बांग ही नहीं देते। क्या कारण हैं?'

दूसरा मुर्गा बोला, 'आलसी तो मेरा मालिक हो गया है सुबह घड़ी में अलार्म ही नहीं लगाता। मेरी आंख ही नहीं खुलती।'

नेपाली सरकार के गठन में कूटनीतिक दांवपेच

पुष्परंजन

काठमांडो स्थित सत्ता के गलियारों में दो दूतावासों का खेल गर्माया हुआ है। चीनी दूतावास की कोशिश रही है कि चुनाव बाद नेपाल के कम्युनिस्ट नेता फिर से एक हो जाएं। तराई व राजावादी सांसदों से सौदेबाज़ी कर सरकार बना लें। उन्हें काउंटर करने के इरादे से भारतीय राजदूत भी प्रधानमंत्री निवास बालुआटार पहुंचे। काठमांडो स्थित भारतीय राजदूतावास इसकी तफ़्सील देने से इंकार कर रहा है, मगर प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के परराष्ट्र सलाहकार अरुण सुवेदी ने बताया कि भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव बालुआटार आये थे, उन्होंने समसामयिक राजनीति पर 'पीएम ज्यू' से छलफ़्ल (विमर्श) किया था। वहीं चीनी दूतावास भारतीय राजदूत की शेर बहादुर से मुलाक़ात को लेकर सतर्क है। दूतावासों में होड़ लगी है कि सरकार उनके मुताबिक़ बने। चुनाव से चार माह पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी में इंटरनेशनल डिपार्टमेंट के प्रभारी लिउ चिएनचाओ काठमांडो आये थे। यह 10 जुलाई 2022 की बात है, जब लिउ चिएनचाओ की मुलाक़ात खुमल्टार निवास पर माओवादी नेता प्रचंड से हुई थी। इसके प्रकारांतर लिउ पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, माधव नेपाल और झलनाथ खनाल से भी मिले थे। लिउ चिएनचाओ का मकसद था कि अभी नहीं तो चुनाव बाद ओली की 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले)', प्रचंड के नेतृत्व वाली 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र)' और 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी)', जिसके नेता माधव नेपाल हैं, एक प्लेटफ़ार्म पर आ जाएं। इस समय नेपाल में यदि वाम का झाम फैला तो सत्तालोलुप दलों व पांच निर्दलीयों से सौदेबाज़ी आसान होगी। नेपाल में जो लोग वामपंथी नेताओं के एकजुट होने की उम्मीद बांधे बैठे हैं, वो उस अतीत को याद दिलाते हैं, जिसमें चीनी दूतावास की पहल पर मई 2018 में एकीकृत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ था। तब प्रचंड और ओली गुटों में विलय हो गया था। 2017 के आम चुनाव में नेकपा-एमाले और माओवादी साथ-साथ चुनाव लड़े थे, अपेक्षित परिणाम के कुछ महीनों बाद 2018 में विलय हुआ। मगर, 2021 में ओली और प्रचंड के बीच इतना घमासान हुआ कि दोनों ने एक दूसरे को पार्टी से निकाला और कुट्टी कर ली। खाई को चीनी राजदूत होऊ यांगशी नहीं पाट पाईं। यों, नेपाल में वामपंथ की राजनीति में टूट, विलय बहुत बार हुआ है। 'नेकपा-एमाले' का गठन 1991 में हुआ था। उस समय यूनाइटेड लेफ्ट फ्रंट, नेकपा (मार्क्सवादी) और नेकपा (लेनिनवादी) का विलय कराया गया था। 1991 के आम चुनाव में नेकपा एमाले दूसरे नंबर की पार्टी बन गई। 1994 में पहली बार नेकपा-एमाले की सरकार बनी। 1998 में नेकपा-एमाले में टूट हो गई, जिसका खमियाज़ा 1999 के चुनाव में उसे भुगतना पड़ा। बहरहाल, नवंबर 2022 के समर में देउबा और दाहाल अपने चिर शत्रु ओली को रोकने में विफ़्ल रहे। नेपाली कांग्रेस के व्यूह रचनाकार राजा समर्थक सात सांसदों वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा), मधेसवादी, निर्दलीयों और नवोदय शक्ति नेताओं को अपने आइने में उतारने के वास्ते सक्रिय हैं। सत्ताधारियों का उपनिवेश कहे जाने वाले मधेस में कुछ 'बिकाऊ माल' उपलब्ध है। पिछली बार ओली सरकार बचाने के वास्ते महंथ ठाकुर-राजेंद्र महतो गुट के सांसदों के समर्थन ने लोगों को हैरान किया था। चीनी एजेंट के रूप में कुख्यात जनता समाजवादी पार्टी अध्यक्ष उपेन्द्र यादव सप्तरी-2 से इस बार चुनाव हार गये। महंथ ठाकुर जैसों को भी मतदाताओं ने नहीं बख़्शा। तराई के कई सारे दिग्गजों की जमानतें जब्त हुई हैं। इस सबक के बावजूद, साम-दाम की राजनीति रुकी नहीं है। मगर, सवाल है कि कई सौ करोड़ रुपये की हॉर्स ट्रेडिंग में दूतावासों की कोई भूमिका होगी क्या? बहस चल रही है कि नई सरकार में कौन किस खेमे में जाएगा। विश्लेषक बता रहे हैं कि माओवादी केंद्र के प्रमुख 'प्रचंड' नेपाली कांग्रेस के सभापति देउबा के साथ सत्ता में बने रहेंगे। मगर, कुछ को लगता है कि आख़िरी वक्त कहीं कोई खेल न हो जाए। पिछले आम चुनाव में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) दरबार समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) और अशोक राई-उपेंद्र यादव की जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) से गठबंधन कर चुकी थी। प्रेक्षकों का अनुमान है कि इस बार भी ये लोग ओली के पाले में न आ जाएं। केपी शर्मा ओली दो बार सत्ता में रहे। 7 जून 2017 को शपथ ली, केवल नौ माह सरकार चला पाये। उस समय ओली सरकार से मधेसी जनाधिकार फ़ोरम और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी नेपाल ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी थी। तब ओली ने दिल्ली के विरुद्ध गोली दागते हुए कहा था, 'मेरी सरकार को गिराने के लिए भारत ने माओवादियों, राजावादियों, और तराई की पार्टियों का इस्तेमाल किया। हम भूलेंगे नहीं।' ओली, 15 फ़रवरी 2018 को दोबारा सत्ता में आये। 1183 दिनों के बाद ओली 13 मई 2021 को सत्ता से बाहर हो गये। दोनों बार उन्होंने भारत को जमकर कोसा। यों, परिणाम से हफ़्तों पहले चीनी राजदूत होऊ यांगशी का सीन से ग़ायब हो जाना हैरान करता है। चार वर्षों तक होऊ यांगशी नेपाली राजनीति के रिमोट कंट्रोल को गाहे-बगाहे दबाती रहीं। लोग मानकर चल रहे थे कि चीन इस बार के चुनाव में कमाल करेगा। मगर, 2022 में नेपाली ज़मीन पर चीनी कूटनीति की उर्वरता कम नज़र आने लगी। क्या उसकी वजह भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव हैं? 25 जून 2022 को नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल में बतौर भारतीय राजदूत पदभार ग्रहण किया था। नवीन श्रीवास्तव चीनी कूटनीति की नब्ज़ को पहचानते हैं। वाशिंगटन डीसी से लेकर, कंबोडिया की राजधानी प्नोम पेन व शांघाई तक कूटनीतिक ज़िम्मेदारी संभालने वाले एंबेसडर नवीन श्रीवास्तव को ऐसे मौके पर नेपाल आना पड़ा, जब वहां की कम्युनिस्ट लीडरशिप खंड-खंड बंटी थी। ऐसे में भारत को अपनी बिसात बिछाने में कोई दिक़्क़त नहीं हुई। इस चुनाव से कुछ महीने पहले ही होऊ यांगशी का 'मिशन नेपाल' लगभग फेल हो चुका था। पेइचिंग स्थित चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी में अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग के सूत्र बताते हैं कि होऊ यांगशी की इस विफ़्लता को देखकर ही उन्हें इंडोनेशिया, आसियान का दूत बनाकर भेजने का निर्णय करना पड़ा। आने वाले कुछ दिनों में चेन सोंग नेपाल में चीन के नये राजदूत का कार्यभार संभालेंगे। काठमांडो चार्ज लेने से पहले चेन सोंग चीनी विदेश मंत्रालय में नेपाल, अफ़्गानिस्तान और मालदीव मामलों के निदेशक पद पर विराजमान थे। चेन सोंग की देखरेख में चीनी खुफ़िया एजेंसी एमएसएस (मिनिस्ट्री ऑफ़ स्टेट सिक्योरिटी) के लोग नेपाली नेताओं से कोऑर्डिनेशन के वास्ते सक्रिय हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकारें बनाने या गिराने में दूतावासों की भूमिका सही है, या ग़लत?

-लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / भोपाल गैस त्रासदी दिवस)

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस उन लोगों की याद में मनाया जाता है जिन्होंने भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गँवा दी थी। उन मृतकों को सम्मान देने और याद करने के लिये भारत में हर वर्ष 2 दिसंबर को मनाया जाता है। भोपाल गैस त्रासदी वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात में शहर में स्थित यूनियन कार्बाइड के रासायनिक संयंत्र से जहरीला रसायन जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के रूप में जाना जाता है के साथ-साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक 500 000 से अधिक लोगों की (जो 2259 के आसपास तुरंत मर गये) एमआईसी की जहरीली गैस के रिसाव के कारण मृत्यु हो गयी। बाद में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ये घोषित किया गया कि गैस त्रासदी से संबंधित लगभग 3787 लोगों की मृत्यु हुई थी। अगले 72 घंटों में लगभग 8 000 -10 000 के आसपास लोगों की मौत हुई वहीं बाद में गैस त्रासदी से संबंधित बीमारियों के कारण लगभग 25000 लोगों की मौत हो गयी।

ये पूरे विश्व में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रुप में जाना गया जिसके लिये भविष्य में इस प्रकार की आपदा से दूर रहने के लिए गंभीर निवारक उपायों की आवश्यकता है। गैस त्रासदी के कारक कई छोटे ड्रमों में भंडारण के स्थान पर बड़े टैंक में एमआईसी भंडारण। कम लोगों की जगह में अधिक खतरनाक रसायनों (एमआईसी) का प्रयोग। संयंत्र द्वारा 1980 के दशक में उत्पादन के रोके जाने के बाद गैस का खराब संरक्षण। पाइपलाइनों में खराब सामग्री की उपस्थिति। विभिन्न सुरक्षा प्रणालियों के द्वारा सही से काम न करना। ऑपरेशन के लिए संयंत्रों के स्थान पर हाथ से काम करने पर निर्भरता विशेषज्ञ ऑपरेटरों की कमी के साथ ही आपदा प्रबंधन की योजना की कमी है।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस क्यों मनाया जाता है?

हर साल राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के प्रमुख कारकों में से एक औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के साथ ही पानी हवा और मिट्टी के प्रदूषण (औद्योगिक प्रक्रियाओं या मैनुअल लापरवाही के कारण उत्पन्न) की रोकथाम है। सरकार द्वारा पूरी दुनिया में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए बहुत से कानूनों की घोषणा की गयी। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस हर साल 2 दिसंबर को प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमों की आवश्यकता की ओर बहुत अधिक ध्यान देने के लिये लोगों को और सबसे अधिक उद्योगों को जागरूक करने के लिए मनाया जाता है।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सभी अच्छे और खराब कार्यों के नियमों और कानूनों की राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जाँच की जाती है जो भारत में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकारी निकाय है। ये हमेशा जाँच करता है कि सभी उद्योगों द्वारा पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है या नहीं। महाराष्ट्र में अपना स्वंय का नियंत्रण बोर्ड है जिसे महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) कहा जाता है ये प्रदूषण नियंत्रण की तत्काल आवश्यकता के रुप में है क्योंकि ये उन बड़े राज्यों में से एक है जहाँ औद्योगीकरण की दर बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। प्राकृतिक संसाधन जैसे जल वायु भूमि या वन विभिन्न प्रकार के प्रदूषण द्वारा तेजी से प्रभावित हो रहे हैं जिन्हें सही तरीके से नियमों और विनियमों को लागू करके तुरंत सुरक्षित करना बहुत जरुरी है।

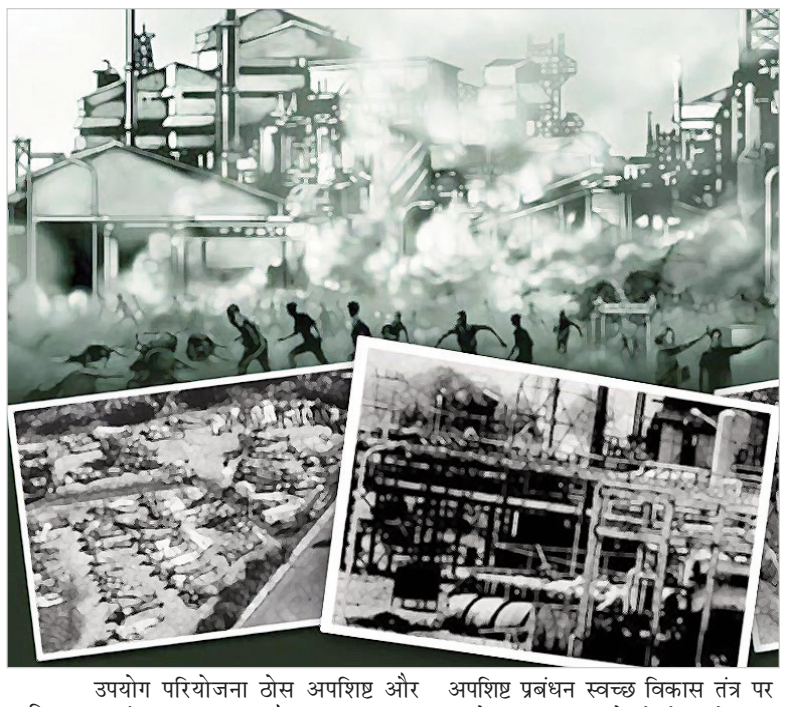

नियंत्रण के क्या उपाय हैं?

शहरी अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग परियोजना ठोस अपशिष्ट और उसके प्रबंधन का वैज्ञानिक उपचार अपशिष्ट के उत्पादन को कम करना सीवेज उपचार सुविधा कचरे का पुनः उपयोग और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन। जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा इलेक्ट्रॉनिक कचरे की उपचार सुविधा जल आपूर्ति परियोजना संसाधन रिकवरी परियोजना ऊर्जा की बचत परियोजना शहरी क्षेत्रों में खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन स्वच्छ विकास तंत्र पर परियोजनाएं। प्रदूषण रोकने के लिये नीति नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ ही राज्य सरकार द्वारा कई अन्य प्रयास किये गए हैं। उद्योगों को सबसे पहले प्रदूषण को कम करने के लिए प्राधिकरण द्वारा लागू किये गये सभी नियमों और विनियमों का पालन करना होगा।

(चिंतन-मनन)

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था। लड़के की एकाग्रता लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

अप्रैल-अक्टूबर में राजकोषीय घाटा वार्षिक अनुमान का 45.6 प्रतिशत

नई दिल्ली । देश का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के प्रथम सात महीनों अप्रैल-अक्टूबर 2022 के दौरान 7.54 लाख करोड़ रुपए रहा जो बजट में अनुमानित वार्षिक अनुमान का 45.6 प्रतिशत है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 की इसी अवधि में राजकोषीय घाटा 5.47 लाख करोड़ रुपए के साथ वार्षिक बजट अनुमान के 36.3 प्रतिशत के बराबर था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर की अवधि में सरकारी प्राप्तियां 13.86 लाख करोड़ रुपए और खर्च 21.4 लाख करोड़ रुपए रहा। प्राप्तियों का यह आंकड़ा वार्षिक अनुमान 60.7 प्रतिशत और खर्चों का आंकड़ा 54.3 प्रतिशत है। अप्रैल-अक्टूबर 2022 में राजस्व प्राप्ति 13.50 लाख करोड़ रुपए रही जिसमें कर राजस्व 11.71 लाख और गैर कर राजस्व 1.79 लाख करोड़ रुपये रहा। राजस्व घाटा इस दौरान 3.85 लाख करोड़ रुपए रहा जो पूरे वर्ष के बजट अनुमान का 38.8 प्रतिशत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी के 6.4 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 6.7 प्रतिशत था।

प्लेटफॉर्म सेवाओं के संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली । सरकार ने बहु-प्रणाली संचालकों से कहा है कि एक प्लेटफॉर्म सेवा प्रदाता के रूप में अगर वे अपने नेटवर्क पर स्थानीय समाचार एवं समसामयिक कार्यक्रम प्रसारित करना चाहते हैं तो उन्हें तीन महीने के भीतर एक कंपनी के तौर पर पंजीयन कराना होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बहु-प्रणाली संचालकों के लिए ये दिशा-निर्देश जारी किए। ये निर्देश उनके अपने कार्यक्रमों को प्रसारित करने से संबंधित हैं। इन कार्यक्रमों का प्रसारण वे या तो अपने उपभोक्ताओं तक सीधे करते हैं या फिर एक या अधिक स्थानीय केबल परिचालकों के जरिये करते हैं। इस तरह की कार्यक्रम सेवाओं को प्लेटफॉर्म सर्विस कहा जाता है। इनमें स्थानीय चैनल भी आते हैं और ये इस प्रकार की विशेष कार्यक्रम सेवा होती हैं जिन्हें बहु-प्रणाली परिचालक स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करवाते हैं। मंत्रालय ने बहु-प्रणाली परिचालकों द्वारा प्लेटफॉम सर्विस चैनलों के ऑनलाइन पंजीयन की सरल प्रक्रिया रखी है और इसका शुल्क 1000 रुपए प्रति चैनल तय किया गया है।

सेबी ने कार्वी का पंजीयन एक महीने के लिए निलंबित किया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (पीएमएस कार्वी) का पोर्टफोलिया प्रबंधक के रूप में पंजीयन प्रमाणपत्र एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। कंपनी के नियामकीय नियमों का उल्लंघन करने के कारण यह कार्रवाई की गई। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड या पीएमएस कार्वी ने अपने खुलासा दस्तावेजों में कुछ जानकारियां नहीं दी थीं जिनमें जुर्माने लंबित वाद या कार्यवाही और जांच के निष्कर्ष जैसे विवरण शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी अन्य आवश्यकताओं का अनुपालन करने में भी विफल रही थी और इस तरह उसने पोर्टफोलियो प्रबंधन संबंधी नियमों का उल्लंघन किया। नियामक ने दिसंबर 2019 में कंपनी की पोर्टफोलियो प्रबंधन गतिविधियों की जांच की थी। जांच के दायरे में अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक की गतिविधियां शामिल थीं। सेबी ने कहा कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से अमल में आ गया है।

नवंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 8.0 फीसदी पर आई, यह तीन महीने में सबसे ज्यादा

(एजेंसी):

भारत में बेरोजगारी दर नवंबर में बढ़कर 8.0 फीसदी पर पहुंच गई है। सेंटर फॉर मॉनेटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) के डेटा में गुरुवार को दिखा है कि नवंबर महीने के दौरान बेरोजगारी की दर बढ़कर तीन साल में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। शहरों में बेरोजगारी की दर पिछले महीने के 7.21 फीसदी से बढ़कर नवंबर में 8.96 फीसदी पर पहुंच गई है। वहीं, ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी की दर 8.04 फीसदी से घटकर 7.55 फीसदी हो गई है।

CMIE के डेटा पर सरकार की रहती है नजर

मुंबई में आधारित CMIE के रोजगार के डेटा पर अर्थशास्त्री और नीति बनाने वाले करीब नजर रखते हैं, क्योंकि सरकार अपने खुद के मासिक आंकड़े जारी नहीं करती है। उधर, राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग यानी NSO के डेटा के मुताबिक, शहरी इलाकों में 15 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए बेरोजगारी की दर 9.8 फीसदी से घटकर 7.2 फीसदी पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा 30 सितंबर को खत्म हुई तिमाही के लिए है। यह बात पेरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे यानी कि पीएलएफएस ने बताई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इससे कोरोना महामारी के बाद स्थिर आर्थिक रिकवरी की ओर संकेत मिलता है, जिसने करोड़ों लोगों को बेरोजगार कर दिया था।

अमेरिकी व्यापार संस्था ने संधू के विस्तार का किया स्वागत

वाशिंगटन ।

अमेरिका स्थित एक प्रमुख व्यापार समर्थक समूह ने नई दिल्ली के शीर्ष दूत के रूप में तरणजीत सिंह संधू के कार्यकाल को एक साल बढ़ाने पर स्वागत करते हुए कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती प्रदान करने में मदद मिलेगी। भारत सरकार ने वाशिंगटन डीसी में संधू के कार्यकाल को जनवरी 2024 के ओ खिरी तक एक साल के लिए बढ़ा दिया है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम ने कहा कि राजदूत संधू अमेरिकी सरकार की विधायिका और कार्यकारी शाखाओं दोनों के साथ अपनी बातचीत में अद्वितीय विशेषज्ञता और अनुभव लाते हैं। फोरम के अध्यक्ष और सीईओ मुकेश अघी ने कहा कि उनके कार्यकाल में विस्तार से अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने और इसे नयी ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी। संधू को 2024 तक विस्तार पर बधाई देते हुए अघी ने कहा कि राजदूत अमेरिका-भारत संबंधों के विषय में अनुभवी रहे हैं और अमेरिका-भारत साझेदारी के लिए एक असाधारण पूंजी हैं जो इस रिश्ते को नयी ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

विदेश में कमाई कर रहे भारतीयों ने इस साल भेजे 100 अरब डॉलर

- भारतीयों ने पिछले साल भारत में करीब 87 अरब डॉलर भेजे थे

नई दिल्ली । विदेशों में कमा रहे भारतीयों ने इस साल रुपए भेजने के मामले में नया रेकॉर्ड बनाया है। विश्व बैंक के मुताबिक इस साल भारत में विदेशों से आने वाले रुपयों में 12 फीसदी तक बढ़ोतरी देखने को मिलीअ है। इस साल भारतीयों ने अपने देश में करीब 100 अरब डॉलर भेजे हैं। भारत में शेयर बाजार में जितनी एफडीआई आई है ये रकम उससे भी 25 फीसदी ज्यादा है। भारत के बाद मेक्सिको चीन और फिलिपिंस का स्थान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक खाड़ी देशों में इस बार बड़े पैमाने पर अनौपचारिक रोजगार के मौके भी बने। इसी के साथ दुनिया के कई अमीर देशों जैसे सिंगापुर जापान आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी खूब नौकरियां आई थीं। विदेशों से भारत भेजी जाने वाली रकम में बीते वर्षों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। इसमें आने वाले वर्षों में और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने पिछले साल भारत में करीब 87 अरब डॉलर भेजे थे। इसमें सबसे ज्यादा रकम अमेरिका से भेजी गई थी। जबकि साल 2020 की बात करें तो करीब 83 अरब डॉलर की रकम भेजी गई थी। साल 2016-17 और 2020-21 के बीच यूएस यूनाइटेड किंगडम और सिंगापुर से रकम भेजने का हिस्सा 26 फीसदी से बढ़कर 36 फीसदी ज्यादा हो गया है। हालांकि पांच जीसीसी देशों सऊदी अरब संयुक्त अरब अमीरात कुवैत ओमान और कतर से भेजी जाने वाली रकम में गिरावट आई है। ये 54 फीसदी से गिरकर 28 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020-21 में भारत में विदेशों से जो रकम भेजी गई उसमें अमेरिका सबसे आगे रहा।

इंडिगो ने डीजीसीए के साथ मिलकर पायलटों के लिए डिजिटल ई-लॉगबुक लॉन्च की

नई दिल्ली।

विमानन नियामक डीजीसीए के सहयोग से इंडिगो एयरलाइन ने पायलटों के लिए डिजिटल ई-लॉगबुक लॉन्च की। ई-लॉगबुक गुरुवार से पायलटों को इंडिगो सिस्टम से ईजीसीए लॉगबुक में सीधे उड़ान डेटा ट्रांसफर सेवा प्रदान करेगी। इस स्वचालित प्रक्रिया के कारण, ईजीसीए ई-लॉगबुक में दर्ज किए गए उड़ान घंटों में सभी हितधारकों के लिए डेटा और फॉर्मेट की निरंतरता होगी, जिससे संचालन में सुरक्षा और दक्षता बढ़ेगी। यह विमान नियमों के नियम 67ए के अनुपालन में पायलटों के लिए उड़ान घंटे डेटा की वास्तविक समय उपलब्धता भी प्रदान करेगा और इनेबल डाटा एक्यूरेसी को हटाकर डेटा सटीकता और समय पर जारी करने, नवीनीकरण और लाइसेंस के समर्थन को सक्षम करेगा। यह प्रक्रिया पायलटों को अपने कौशल में वृद्धि के लिए अधिक समय समर्पित करने और वर्क मैनुअल लॉग भरने के लिए आवश्यक समय मुक्त करके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की अनुमति देगी। इंडिगो के फलाइट ऑपरेशंस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट कैप्टन आशिम मित्रा ने कहा, हमें डिजिटल ई-लॉगबुक पेश करने वाली देश की पहली एयरलाइन बनने के लिए डीजीसीए के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो भारतीय विमानन में डिजिटलीकरण की दिशा में बढ़ रहा है। यह पहल परिचालन दक्षता बढ़ाने और पायलटों के लिए जटिलता और काम के बोझ को कम करने के लिए एक नए युग की शुरुआत है। यह कदम सरकार के ई-गवर्नेंस और डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण और हमारे पायलटों को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने के हमारे दर्शन के अनुरूप है। 280 से अधिक विमानों के अपने बेड़े के साथ, इंडिगो एयरलाइन 1,600 से अधिक दैनिक उड़ानें संचालित कर रही है और 75 घरेलू गंतव्यों और 26 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ रही है।

टाटा 1 एमजी ने देहरादून में ड्रोन डिलीवरी शुरू की

नई दिल्ली। (एजेंसी)

डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म टाटा 1एमजी ने गुरुवार को देहरादून में ड्रोन डिलीवरी की शुरुआत की है, ताकि शहर में डायग्नोस्टिक सैंपल और दवाओं का तेजी से कलेक्शन और डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके, साथ ही सड़क यातायात के कारण होने वाली देरी से बचा जा सके।कंपनी ने तीन एकीकृत फार्मेसी और डायग्नोस्टिक्स स्टोर और देहरादून में एक डायग्नोस्टिक लैब लॉन्च करके उत्तराखंड में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। टाटा 1एमजी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर तन्मय सक्सेना ने एक बयान में कहा, अपने स्थान लाभ, तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था और मजबूत बुनियादी ढांचे के कारण, देहरादून उत्तर में हमारे कार्यो का विस्तार करने के लिए एक स्वाभाविक पसंद था। यह शहर हरिद्वार, मसूरी, और ऋषिकेश जैसे राज्य के अन्य कम सेवा वाले बाजारों को सेवा प्रदान करने की हमारी रणनीति के केंद्र में है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही दून और शेष उत्तराखंड में निकट भविष्य में कई और टाटा 1एमजी स्टोर खोलेंगे। कंपनी के मुताबिक, ड्रोन का इस्तेमाल शहर के विभिन्न हिस्सों से चिकित्सा के नमूने एकत्र करने और प्रसंस्करण के लिए टाटा 1एमजी लैब में ले जाने के लिए किया जाएगा। इनका उपयोग दूर-दराज के इलाकों में दवाएं पहुंचाने के लिए भी किया जाएगा। एक ड्रोन 150 सैंपल तक ले जाने में सक्षम होगा। सक्सेना ने कहा, हम सैंपल ट्रांसफर के समय को कम करने और तेजी से रिपोर्ट सक्षम करने के लिए देहरादून में ड्रोन तकनीक का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं। इस पहल के माध्यम से, हम एक कम सेवा वाले बाजार में टाटा 1एमजी की सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं और राज्य में डायग्नोस्टिक्स के परिदृश्य को बदलना चाहते हैं। कंपनी ने पूरे शहर में डायग्नोस्टिक सैंपल ट्रांसपोर्ट करने के लिए अग्रणी ड्रोन लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर टीएसएडब्ल्यू ड्रोन्स के साथ पार्टनरशिप की है।

बीजापुर में कपड़ा निर्माण से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

बीजापुर।

छत्तीसगढ़ का बीजापुर जिला धुर नक्सल प्रभावित जिलों में है, मगर अब यहां बदलाव की बयार चल रही है। इसी क्रम में यहां की महिलाएं कपड़ों का निर्माण कर आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनें इस दिश में एक पहल हुई है।इस नक्सल प्रभावित जिले के मुख्यालय में महिलाओं को रोजगार मुहैया कराने हेतु गारमेंट फैक्ट्री की स्थापना की गई है। जिला कार्यालय में कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा की उपस्थिति में श्री साई गारमेंट इन्द्रावती एफपीओ और बीग्स इंडिया कंपनी के साथ एमओयू हुआ। ऑनलाईन मित्रा कंपनी द्वारा कच्चामाल उपलब्ध कराया जाएगा। जिसका माल तैयार हो जाने के बाद पुन~ कंपनी को भेजा जाएगा। बताया गया है कि यह अनुबंध छह वर्षों के लिए है। इस अनुबंध के तहत कंपनी द्वारा जिला प्रशासन एवं नीति आयोग द्वारा इंफ्रास्ट्रक्च र, मशीनें और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्च र मशीनों का किराया इत्यादि कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। तीसरे महीने से कंपनी महिलाओं को चार हजार रूपए मानदेय देगी और आठवें-नवें महीने से मानदेय बढ़ाकर सात हजार रूपए किया जाएगा। जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा महिलाओं की आय भी बढ़ती जाएगी। बताया गया है कि शुरूआती दौर में राउंड नेक और कॉलर वाले टी शर्ट बनाया जाएगा, फिर बाद में लैगीज, बनियान होजियरी कपड़े का निर्माण भी किया जाएगा।

ट्विटर ने भारत में नीति के उल्लंघन के लिए 44,000 से अधिक खातों को किया बैन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

ट्विटर ने 26 सितंबर से 25 अक्टूबर के बीच भारत में बाल यौन शोषण और गैर-सहमति वाली नग्नता को बढ़ावा देने वाले 44,611 खातों पर प्रतिबंध लगा दिया है।इससे पहले 26 अगस्त से 25 सितंबर के बीच की अवधि में कंपनी ने भारत में ऐसे 52,141 आपत्तिजनक खातों पर प्रतिबंध लगाया था। मस्क के तहत मंथन के दौर से गुजर रहे माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 4,014 खातों पर भी बैन लगा दिया था। ट्विटर ने नए आईटी नियम, 2021 के अनुपालन में अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि उसे अपने शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से एक ही समय-सीमा में भारत में उपयोगकर्ताओं से 582 शिकायतें मिलीं और उनमें से सिर्फ 20 यूआरएल पर कार्रवाई की। यह पहले की अवधि (26 अगस्त और 25 सितंबर) से काफी अलग है, जब ट्विटर को भारत में उपयोगकर्ताओं से 157 शिकायतें मिलीं और उनमें से 129 यूआरएल पर कार्रवाई की गई। अपनी नई रिपोर्ट में, ट्विटर ने कहा कि उसने 61 शिकायतों पर कार्रवाई की जो ट्विटर अकाउंट निलंबन की अपील कर रहे थे। ट्विटर ने कहा, इन सभी का समाधान किया गया और उचित प्रतिक्रियाएं भेजी गई। कंपनी ने कहा, स्थिति की बारीकियों की समीक्षा करने के बाद हमने इनमें से किसी भी खाते के निलंबन को पलटा नहीं है। सभी खाते निलंबित रहेंगे। हमें इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान ट्विटर खातों के बारे में सामान्य प्रश्नों से संबंधित 12 अनुरोध भी प्राप्त हुए।अक्टूबर में, दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा था कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी की शिकायतों में ट्विटर से प्राप्त जवाब अधूरे थे और आयोग उनसे संतुष्ट नहीं था। मस्क ने पहले ही ट्विटर पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी की मांग वाले ट्वीट्स की उपस्थिति के बारे में रिपोर्ट पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। नए आईटी नियम 2021 के तहत 50 लाख से ज्यादा यूजर्स वाले बड़े डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी।

मस्क ने कहा, फॉलोअर्स ड्रॉप के लिए तैयार रहें

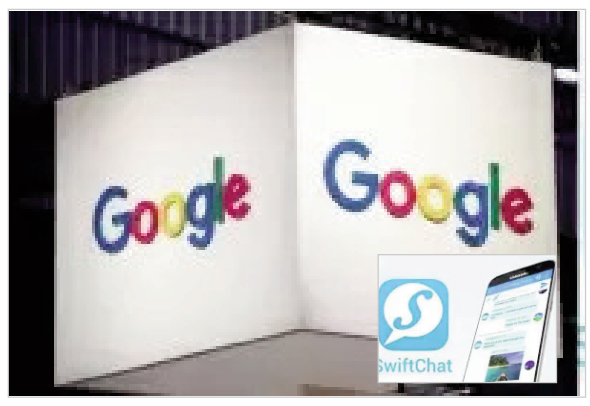

अभी बहुत सारे स्पैम/स्कैम खातों का सफाया कर रहा है,

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने गुरुवार को कहा कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने बहुत सारे स्पैम और स्कैम खातों का सफाया करना शुरू कर दिया है, इसलिए उपयोगकर्ताओं को उनके फॉलोअर्स में काउंट ड्रॉप दिखाई दे सकता है।उन्होंने ट्वीट किया, ट्विटर अभी बहुत सारे स्पैम/स्कैम खातों का सफाया कर रहा है, इसलिए आप अपने फॉलोअर्स की संख्या में कमी देख सकते हैं। कई यूजर्स ने मस्क के एक्शन पर अपने विचार व्यक्त किए। जबकि एक उपयोगकर्ता ने कमेंट किया, यार यह मेरे सभी फॉलोअर्स की तरह है, दूसरे ने कहा, बिल्कुल. लेकिन उन फॉलोअर्स को खोना अच्छा है जो वास्तव में कभी फॉलोअर थे ही नहीं.लोल। ट्विटर अधिग्रहण से पहले, मस्क ने इस साल अप्रैल में दावा किया था कि वह माइक्रो-ब्लॉगिंग पर स्पैम बॉट्स को खत्म कर देंगे। उन्होंने ट्वीट किया था, अगर हमारी ट्विटर बोली सफल होती है, तो हम स्पैम बॉट्स को कम करेंगे या कोशिश करेंगे कि वह खत्म हो जाएं। उस समय तक, ट्विटर ने कहा था कि उसके प्लेटफॉर्म पर 5 प्रतिशत से कम खाते नकली हो सकते हैं। मस्क ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) से यह जांच करने के लिए कहा था कि क्या उसके उपयोगकर्ता आधार की संख्या पर प्लेटफॉर्म का दावा सही है। जबकि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने अपने एसईसी फाइलिंग में कहा था कि उसके विमुद्रीकरण योग्य दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं (एमडीएयू) के 5 प्रतिशत से कम अकाउंट नकली थे, जिस पर मस्क का मानना था कि बॉट्स की संख्या चार गुना अधिक है।

गूगल के साथ स्विफ्टचैट ने स्पीच-आधारित रीडिंग टूल पेश किया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

घरेलू संवादी एआई प्लेटफॉर्म स्विफ्टचैट ने गूगल के साथ गुरुवार को रीड अलॉन्ग टूल पेश किया, जो उनके प्लेटफॉर्म पर बोलने वाला रीडिंग टूल है।स्विफ्टचैट का रीड अलॉन्ग बॉट 5-11 वर्ष की आयु के शुरुआती शिक्षार्थियों को अपनी आवाज का उपयोग कर स्वतंत्र रूप से पढ़ने व सीखने में सहायता करेगा। यह टूल एंड्रॉइड ऐप और वेबसाइट के रूप में उपलब्ध है। स्विफ्टचैट के मुख्य प्रोडक्ट अधिकारी शिखर गुप्ता ने एक बयान में कहा, स्विफ्टचैट ऐप पर रीड अलॉन्ग बॉट का नियमित रूप से उपयोग करने से बच्चे अपने पढ़ने के कौशल में सुधार कर सकेंगे। स्विफ्टचैट का मिशन बड़े पैमाने पर सरल और सार्थक समाधान प्रदान कर प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच की खाई को पाटना है। हम चाहते हैं कि छात्र पढ़ना सीखें और विश्वास करें कि यह साझेदारी उस दिशा में एक अद्भुत कदम है। कंपनी के अनुसार, स्विफ्टचैट ऐप पर नया टूल अंग्रेजी और सात भारतीय भाषाओं, अर्थात हिंदी, गुजराती, मराठी, तमिल, तेलुगु, बंगाली और उर्दू में 700 से अधिक सचित्र कहानियों का समर्थन करेगा। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि बॉट शिक्षार्थियों को उनकी पढ़ने की क्षमता के आधार पर कठिनाई स्तरों को समायोजित कर अपनी गति से पढ़ने के कौशल में सुधार करने की अनुमति देगा। रीड अलॉन्ग, जिसे भारत में पहली बार बोलो के रूप में जारी किया गया था, पढ़ने के कौशल को विकसित करने में मदद करने के लिए गूगल की स्पीच रिकग्निशन तकनीक का उपयोग करता है।

व्हाट्सएप ने आईओएस बीटा पर चैट को तिथि के अनुसार सर्च करने के लिए फीचर रिलीज किया

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने आईओएस पर कुछ बीटा टेस्टर्स के लिए एक नया फीचर शुरू किया है, जो यूजर्स को तारीख तक मैसेज सर्च करने की सुविधा देता है।वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, नया फीचर यूजर्स को बातचीत के भीतर आसानी से एक निश्चित तिथि पर जाने की अनुमति देता है। आईओएस 22.24.0.77 के लिए लेटेस्ट व्हाट्सएप बीटा अपडेट के साथ कुछ बीटा परीक्षक इस फीचर का उपयोग अपने चैट और ग्रुप्स में कर सकते हैं।

उपयोगकर्ताओं को बातचीत में सर्च फीचर का उपयोग करने की आवश्यकता होती है यदि वे यह जांचना चाहते हैं कि नया फीचर उनके खाते में शुरू किया गया है या नहीं। यदि एक कैलेंडर आइकन दिखाई देता है, तो इसका मतलब है कि यह फीचर आपके व्हाट्सएप अकाउंट पर सक्षम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले हफ्तों में यह फीचर और अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए शुरू हो जाएगा। इस हफ्ते की शुरुआत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने आईओएस पर फॉरवर्ड मीडिया विद कैप्शन फीचर लॉन्च किया था, जो यूजर्स को कैप्शन के साथ इमेज, वीडियो, जीआईएफ और डॉक्यूमेंट फॉरवर्ड करने की सुविधा देता है। ऐप स्टोर से आईओएस 22.23.77 अपडेट के लिए व्हाट्सएप डाउनलोड करने के बाद, कुछ उपयोगकर्ता नए फीचर का उपयोग करने में सक्षम थे। साथ ही, अगर कोई कैप्शन फॉरवर्ड नहीं करना चाहता है, तो मैसेज को फॉरवर्ड करने से पहले इमेज से कैप्शन को हटाने के लिए डिसमिस बटन दिया गया है।

संन्यास से वापसी कर सकते हैं बेन स्टोक्स, भारत में होने वाले विश्व कप को लेकर ले सकते हैं बड़ा फैसला

रावलपिंडी । स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने अगले साल भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में इंग्लैंड की खिताब की रक्षा के अभियान के लिए एकदिवसीय संन्यास से वापसी की संभावना को खारिज नहीं किया है। इंग्लैंड के 31 साल के टेस्ट कप्तान स्टोक्स ने जुलाई में काम के बोझ का हवाला देते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी लेकिन इस फैसले के पांच महीन से भी कम समय बाद उन्होंने अपनी वापसी के दरवाजे खुले रखे हैं। स्टोक्स के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, 'क्या पता उस समय विश्व कप को लेकर मैं क्या सोच रहा हूं।' वह गुरुवार से यहां पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व बोल रहे थे। स्टोक्स ने 2019 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी और नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में टीम के टी20 विश्व कप जीतने के दौरान भी वह फाइनल में स्टार रहे। अगला 50 ओवर का विश्व कप भारत में अक्टूबर-नवंबर 2023 में खेला जाएगा। स्टोक्स ने कहा, 'विश्व कप में खेलना शानदार है, अपने देश का प्रतिनिधित्व करना। लेकिन अभी मैं इसके बारे में नहीं सोच रहा। मेरा ध्यान पूरी तरह से इस श्रृंखला (पाकिस्तान के खिलाफ) पर है।' स्टोक्स उन खिलाड़ियों में शामिल थे जो इंग्लैंड की टीम में वायरल संक्रमण के प्रकोप के कारण बुधवार को ट्रेनिंग नहीं कर पाए।

फीफा विश्व कप : ब्राजील के खिलाफ कैमरून को जीत और किस्मत के साथ की जरूरत

दोहा।

फीफा विश्व कप में शुरुआती दोनों मैचों को जीतने वाली ब्राजील की टीम शुक्रवार देर रात को जब ग्रुप जी के अपने आखिरी मैच में कैमरून के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसके कोच टिटे सभी रिजर्व खिलाड़ियों को आजमायेंगे। वही दूसरी ओर दो मैचों में एक हार और ड्रॉ का नजीता हासिल करने वाली कैमरून की टीम को टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत के साथ किस्मत की साथ की भी जरूरत होगी। इस ग्रुप में ब्राजील के छह अंक हैं जबकि स्विट्जरलैंड के नाम तीन और कैमरून तथा सर्बिया के एक-एक अंक है। ब्राजील की टीम नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर चुकी है और कोच टिटे अब तब बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को इस मुकाबले में परखना चाहेंगे। स्टार फॉरवर्ड नेमार, राइट बैक डैनिलो और लेफ्ट बैक एलेक्स सैंड्रो चोटों के कारण उपलब्ध नहीं होंगे। नेमार अभी भी अपने दाहिने टखने की चोट का इलाज कर रहे थे और यह स्पष्ट नहीं था कि वह कब वापसी करेंगे। टिटे ने इस मैच के लिए सभी रिजर्व खिलाड़ियों का उपयोग करने की योजना बनायी है, जिसकी शुरुआत गोलकीपिंग में एलिसन की जगह एंडरसन से होगी। टीम की रक्षा पंक्ति में अनुभवी दानी अल्वेस को जगह मिलेगी जबकि फैबिन्हो मिडफील्ड में खेलने के लिए तैयार है। एंटनी और गेब्रियल मार्टिनेली के अग्रिम पंक्ति में होने की उम्मीद है। टिटे उन सभी सात खिलाड़ियों को मैदान पर उतारना चाहते है जो अभी तक टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए थे। मिडफील्डर फैबिन्हो ने कहा,''स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच के बाद टिटे ने हमें पहले ही बता दिया था कि वह लाइनअप में बदलाव करना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि हर किसी को खेलने का मौका मिले और हम उस फैसले से खुश हैं।'' टिटे यह बदलाव इसलिए भी कर रहे क्योंकि ब्राजील को इस मैच के बाद सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेलना है और वह मुख्य खिलाड़ियों को अहम मैच से पहले तरोताजा रखना चाहते है। 39 वर्षीय अल्वेस विश्व कप में खेलने वाले ब्राजील के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन सकते है। वह कतर में ब्राजील के कप्तान 38 वर्षीय थियागो सिल्वा को पीछे छोड़ेंगे। विश्व कप में अल्वेस का आखिरी मैच ब्राजील में 2014 के टूर्नामेंट के अंतिम-16 के दौर में था। वह चोट के कारण 2018 में रूस में हुए विश्व कप में नहीं जा सके थे। कैमरून की टीम 1990 के बाद पहली बार ग्रुप चरण की बाधा को पार करना चाहेगी। टीम हालांकि विवादों में भी रही जब गोलकीपर आंद्रे ओनाना को कोच रिगोबर्टा सोंग के साथ हुए मतभेद के बाद अनुशासनात्मक कारणों से फीफा विश्व कप से स्वदेश भेज दिया गया। कैमरून फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इंटर मिलान के गोलकीपर को टीम से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया और यह निलंबन कतर में पूरे टूर्नामेंट के दौरान जारी रहेगा।

अफगानिस्तान पर श्रीलंका की जीत ने क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को बढ़ाया

पल्लेकेले (श्रीलंका),

मेजबान श्रीलंका ने बुधवार को यहां अफगानिस्तान पर चार विकेट से रोमांचक जीत दर्ज कर भारत में अगले साल होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की अपनी संभावना बढ़ा दी है। अफगानिस्तान ने 8 विकेट के नुकसान पर 313 रन बनाए थे और श्रीलंका ने लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा कर लिया जबकि दो गेंद फेंकी जानी शेष थीं। चरिथ असलंका ने श्रीलंका के लिए नाबाद 83 रन की पारी खेली। यह पुरुषों के एकदिवसीय क्रिकेट में श्रीलंका का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज था और 2017 में द ओवल में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के 321/6 के ऊंचे स्कोर का सफल पीछा करने के बाद से उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ हासिल किया है। आईसीसी के अनुसार, इस जीत से श्रीलंका को आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप सुपर लीग स्टैंडिंग पर शीर्ष-आठ के आसपास रहने में मदद मिली। जीत से 10 अंकों का मतलब है कि श्रीलंका के अब मौजूदा सुपर लीग स्टैंडिंग पर कुल 77 अंक हैं और दासुन शनाका की टीम अपने बाकी तीन मैचों में से कम से कम दो मैच जीतकर आठवें स्थान पर मौजूद वेस्टइंडीज से आगे निकल सकती है। आईसीसी के अनुसार, इस जीत से श्रीलंका को आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप सुपर लीग स्टैंडिंग पर शीर्ष-आठ के आसपास रहने में मदद मिली।

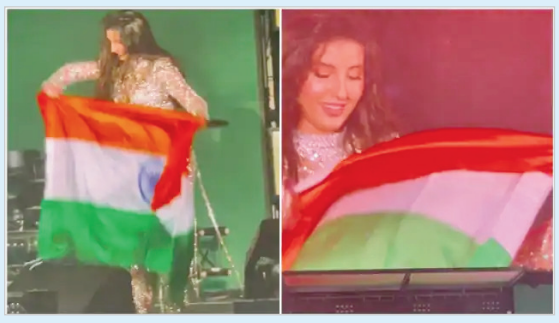

नोरा का फीफा फैन फेस्ट में तिरंगा लहराने वाला वीडियो वायरल

दोहा ।

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही ने बुधवार को फीफा विश्व कप 2022 में अपने कार्यक्रम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अब इसका एक वीडियो भी आया है। इसमें नोरा को मंच पर भारतीय ध्वज लहराते और 'जय हिंद' कहते हुए देखा जा सकता है। उनके इस वीडियो की सोशल मीडिया पर लोगों ने प्रशंसा की है। नोरा ने इस दौरान दर्शकों से भी 'जय हिंद' के नारे लगवाए। नोरा ने कई गानों पर डांस किया जिसमें बॉलीवुड नंबर और आधिकारिक फीफा वर्ल्ड कप एंथम 'लाइट द स्काई' शामिल थे। वह भारत से कार्यक्रम पेश करने वाली एकमात्र अदाकारा थीं। इस दौरान भारी तादाद में नोरा के प्रशंसक उन्हें विश्व कप में देखने के लिए पहुंचे थे। नोरा के शानदार प्रदर्शन के वीडियो और तस्वीरें भी अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

फीफा विश्व कप : नॉकआउट में जगह पक्की करने उतरेंगे स्विट्जरलैंड और सर्बिया

दोहा ।

सर्बिया और स्विट्जरलैंड की टीम शुक्रवार को फीफा विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में जब आमने-सामने होंगी तो यह मैच नॉकआउट की तरह होगा और इसका विजेता अंतिम 16 में जगह बनाएगा जबकि हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। ग्रुप जी से ब्राजील की टीम शुरुआती दो मैच जीतकर पहले की नॉकआउट में जगह बना चुकी है। इस ग्रुप से क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम के लिए कैमरून, सर्बिया और स्विट्जरलैंड के बीच मुकाबला है। स्टेडियम 974 में होने वाले इस मुकाबले के संदर्भ में स्विट्जरलैंड के कप्तान ग्रेनित शाका ने सोमवार को ब्राजील के खिलाफ 0-1 की हार के बाद कहा था, 'हमें टूर्नामेंट की शुरुआत में ही पता था कि इस ग्रुप में सर्बिया के खिलाफ मैच बेहद महत्वपूर्ण होगा।' स्विट्जरलैंड की टीम अभी दूसरे स्थान पर चल रही है और सर्बिया के खिलाफ ड्रॉ भी उसे नॉकआउट में जगह दिला सकता है। टीम हालांकि जीत के इरादे से ही उतरेगी। स्विट्जरलैंड के मिडफील्डर जिब्रिल सोव ने कहा, 'मैं एक भी ऐसी टीम को नहीं जानता तो मैदान पर गोल रहित ड्रॉ खेलने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। यह बेहद खतरनाक है।' स्विट्जरलैंड की टीम पिछले दो विश्व कप और पिछली दो यूरोपीय चैंपियन के नॉकआउट में पहुंची है। सर्बिया ने स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बाद से विश्व कप नॉकआउट मुकाबला नहीं खेला है। अनुभव की कमी उसके लिए नुकसानदायक हो सकती है। सोमवार को कैमरून के खिलाफ दबदबे के साथ 3-1 की बढ़त बनाने के बाद टीम ने लगातार दो गोल गंवाए जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा। सर्बिया के खिलाफ अब तक पांच गोल हुए है जो ग्रुप की बाकी तीन टीम के खिलाफ मिलाकर हुए गोल की संख्या है। इसके विपरीत स्विट्जरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का एकमात्र गोल ब्राजील के केसमीरो ने किया है। कैमरून की टीम अगर ब्राजील को हराकर उलटफेर नहीं करती है तो फिर ग्रुप से नॉकआउट में जाने वाली दूसरी टीम का फैसला सर्बिया और स्विट्जरलैंड के बीच होने वाले मुकाबले से ही होगा।

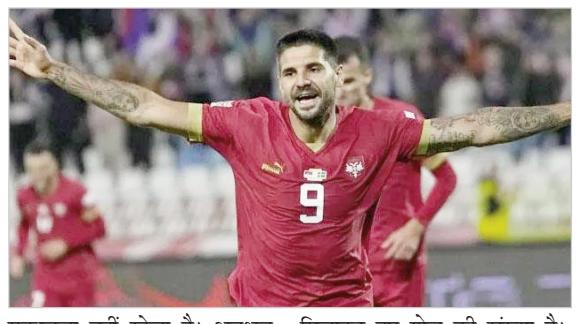

संक्षिप्त समाचार

बीबीएल : डु प्लेसिस ने पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ किया करार

पर्थ। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज फाफ डू प्लेसिस ने 2022-23 बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन से पहले पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में अनुबंध किया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज डू प्लेसिस ने टीम का 262 बार प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें 69 टेस्ट, 143 वनडे, 50 टी20 शामिल हैं। उन्होंने 115 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें 36 टेस्ट, 39 वनडे, 40 टी20 शामिल हैं। वह पर्थ की सूची में सबसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने 311 पेशेवर टी20 मैच खेले हैं और 31.05 के औसत से 8,074 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 50 अर्धशतक शामिल हैं। आस्ट्रेलिया में, डू प्लेसिस ने टेस्ट में 83.16 का औसत बनाया, जहां नौ पारियों में 499 रन और एकदिवसीय मैचों में 52.60 के औसत से 12 पारियों में 526 रन, जबकि स्कॉर्चर्स के अनुसार, उन्होंने आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर टी20 मैच के दौरान 15 गेंदों में 27 रन बनाए। डू प्लेसिस के बीबीएल-12 के पहले सात मैचों के लिए इंग्लैंड के लॉरी इवांस की जगह उपलब्ध रहने की उम्मीद है। पर्थ 17 दिसंबर को आप्टस स्टेडियम में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ अपने टाइटल डिफेंस की शुरूआत करेगा। आस्ट्रेलिया में, डू प्लेसिस ने टेस्ट में 83.16 का औसत बनाया, जहां नौ पारियों में 499 रन और एकदिवसीय मैचों में 52.60 के औसत से 12 पारियों में 526 रन, जबकि स्कॉर्चर्स के अनुसार, उन्होंने आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर टी20 मैच के दौरान 15 गेंदों में 27 रन बनाए।

राहुल ने बीसीसीआई से छुट्टी मांगी शादी की अटकलें तेज

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से छुट्टी मांगी है। राहुल ने निजी कारणों से यह छुट्टी मांगी है। उनकी छुट्टी स्वीकृत भी हो गई है। इससे प्रशंसकों ने उनके और अभिनेत्री आथिया शेट्टी की शादी की अटकलें लगायी हैं। इससे पहले यह भी कहा जा रहा था कि राहुल और आथिया के अभिभावकों ने दोनो की शादी को लेकर मुलाकात की थी। राहुल और आथिया अगले महीने के पहले सप्ताह में शादी कर सकते हैं। राहुल ने बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के बाद बीसीसीआई से एक ब्रेक मांगा है। राहुल अब श्रीलंका के खिलाफ भारत में होने वाली तीन मैचों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार यह दोनो ही जनवरी के पहले सप्ताह में शादी कर सकते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि राहुल ने निजी काम से छुट्टी मांगी है पर कारणों को नहीं बताया है। इस अधिकारी ने आगे कहा कि वह शादी कर रहे हैं या सगाई यह हमें नहीं पता पर उनके कुछ घरेलू काम हैं जिन्हें उन्हें पूरा करना है। वहीं आथिया के पिता ने हाल ही में कहा था कि समय आने पर ये दोनो शादी करेंगे जिसकी जानकारी सभी का दी जाएगी।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए वेस्टइंडीज महिला टीम का ऐलान

एंटीगा,

इंग्लैंड के खिलाफ चार और छह दिसंबर को एंटीगा के सर विवियन रिचर्डस स्टेडियम में होने वाली महिला वनडे सीरीज के पहले दो मैचों के लिए कायसिया नाइट और शेमेन कैंपबेल की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। हालांकि दो कीपर-बल्लेबाज कायसिया और शेमेन की चोट से उबरने के बाद वापसी से मेजबानों का मनोबल बढ़ेगा, लेकिन अनुभवी आलराउंडर स्टैफनी टेलर अभी भी उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सितंबर में तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान घुटने में लगी चोट से अभी भी उबर रही हैं। मुख्य चयनकर्ता एन ब्राउन-जॉन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, चोट के कारण पिछली श्रृंखला से चूकने के बाद एकदिवसीय टीम में शेमेन कैंपबेल और कायसिया नाइट की वापसी अनुभवी स्टैफनी टेलर की अनुपस्थिति में टीम को मजबूत करेगी, जो अभी भी न्यूजीलैंड के खिलाफ सितंबर की श्रृंखला के दौरान लगी चोट से उबर रही हैं। उन्होंने कहा, सीजी यूनाइटेड वनडे मैच महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अर्जित अंक हमें 2025 में अगले आईसीसी महिला विश्व कप के लिए स्वतः क्वालीफाई करने के

करीब ले जाएंगे। सितंबर में घर में न्यूजीलैंड से अपनी शुरूआती श्रृंखला 2-1 से हारने के बाद आईसीसी महिला चैम्पियनशिप (आईडब्ल्यूसी) में अंक हासिल करने के लिए, वर्तमान में पांचवें स्थान पर मौजूद वेस्ट इंडीज के लिए वनडे श्रृंखला दूसरा अवसर है। तालिका में सातवें स्थान पर काबिज इंग्लैंड भी घरेलू परिस्थितियों में भारत के हाथों सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप होने के बाद कुछ अंक हासिल करना चाहेगा।

शिखर धवन ने ऋषभ पंत का किया समर्थन

क्राइस्टचर्च,

भारत के कार्यवाहक वनडे कप्तान शिखर धवन ने संजू सैमसन के मुकाबले ऋषभ पंत को समर्थन दिया है। साथ कहा कि आप सबको देखना चाहिए कि मैच विजेता कौन है और टीम प्रबंधन द्वारा किसे समर्थित होना चाहिए। भारत की 1-0 श्रृंखला हार में, पंत की खराब फॉर्म और प्लेइंग इलेवन से सैमसन के निकाले जाने ने सुर्खियां बटोरीं। भारत के लिए व्हाइट-बॉल मैचों में अपनी पिछली नौ पारियों में, पंत ने 10, 15, 11, 6, 6, 3, 9, 9 और 27 के स्कोर बनाए थे। दूसरी ओर, सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला में नाबाद रहने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में प्रवेश किया। उन्होंने आकलैंड में पहले वनडे मैच में भी 36 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन अगले दो मैचों में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया क्योंकि भारत ने छठे गेंदबाजी विकल्प के रूप में दीपक हुड्डा को प्राथमिकता दी। धवन ने कहा, यह फैसला इतना कठिन नहीं था। उदाहरण के लिए, ऋषभ ने इंग्लैंड में खेला और शतक बनाया, इसलिए हमें उसका समर्थन करना पड़ा। कुल मिलाकर आपको बड़ी तस्वीर देखनी होगी और आपका मैच विजेता कौन है, जिसे समर्थन देने की आवश्यकता है। यह आपको देखना होगा। धवन ने जल्दी ही स्वीकार कर लिया कि सैमसन ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए इंतजार करना होगा क्योंकि भारतीय टीम पंत के अच्छे प्रदर्शन का समर्थन कर रही है। निश्चित तौर पर संजू सैमसन को जो भी मौके मिले हैं वह वास्तव में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी आपको अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है, क्योंकि दूसरे खिलाड़ी ने अच्छा किया है। जब वह अच्छा नहीं कर रहा होता है तो उस खिलाड़ी के कौशल की जरूरत होती है। दौरे में जहां छह में से तीन मैच बारिश के कारण धुल गए थे, भारत ने टी20 श्रृंखला 1-0 से जीती। इसके बाद न्यूजीलैंड ने उसी अंतर से वनडे सीरीज जीती थी। धवन ने स्वीकार किया कि बारिश के कारण मैच रद्द होना अच्छा नहीं था, लेकिन जो भी मैच हुए हैं उससे बहुत कुछ सीखने को मिला।

कोहली की जगह कोई और बल्लेबाज छक्के मारत तो खराब लगता : रउफ

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रउफ ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 विश्वकप में टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जगह कोई अन्य बल्लेबाज उनपर छक्के मारता तो बुरा लगता। रउफ ने कहा कि विराट जिस स्तर के बल्लेबाज है और जिस प्रकार की पारियों उन्होंने खेली हैं उसको देखते हुए किसी को भी खराब नहीं लगेगा। कोहली ने भारत की पारी के 19वें ओवर की आखिरी दो गेंद पर लगातार छक्के लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। रऊफ ने कहा 'विश्व कप में जैसा विराट ने खेला वो उनकी क्लास है हम सबको पता है कि जिस तरह के शॉट वो खेलते हैं और जिस तरह उन्होंने हमारे खिलाफ विश्व कप के मैच में वो छक्के लगाए हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई और खिलाड़ी ऐसे छक्के लगा सकता था। अगर दिनेश कार्तिक या पंड्या मारते हैं तो मुझे बुरा लगता पर वो छक्के कोहली के बल्ले से निकले और वो बिल्कुल अलग क्लास के खिलाड़ी हैं। वहीं यह पूछे जाने पर कि क्या वो अपनी रणनीति में कहीं चूक गए।

फीफा विश्व कप : ग्रुप में शीर्ष पर रहकर ब्राजील से भिड़ने से बचना चाहेगा पुर्तगाल

दोहा (कतर) ।

लगातार जीत से एक मैच रहते अगले दौर में पहुंची पुर्तगाल के लिये विश्व कप का ग्रुप चरण इससे बेहतर नहीं हो सकता था लेकिन अब उसकी निगाहें शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ ग्रुप एच मुकाबले में एक अंक हासिल करने पर लगी हैं ताकि वह अंतिम 16 में ब्राजील से भिड़ने से बच सके। पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सांतोस ने कहा, 'अगर हमें एक दूसरे का सामना करना होगा तो यह दो महान टीमों के बीच मुकाबला होगा। लेकिन हमारी इच्छा और ब्राजील की भी यही होगी कि हम टूर्नामेंट में बाद में एक दूसरे से भिड़ें। रविवार को उरूग्वे पर 2-0 की जीत के बाद सांतोस ने कहा था कि वह दक्षिण कोरिया के खिलाफ कई अहम खिलाड़ियों को आराम देने की योजना बना रहे हैं। रोनाल्डो इसमें अपवाद हो सकते हैं। नौ दिन में तीन मैच 37 वर्षीय स्ट्राइकर रोनाल्डो के लिये काफी ज्यादा हो सकते हैं जो इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाईटेड के लिए ज्यादा समय तक मैदान में नहीं उतरे हैं। इंग्लैंड के इस फुटबॉल क्लब ने हाल में रोनाल्डो का अनुबंध समाप्त कर दिया था, जब उन्होंने विश्व कप से पूर्व साक्षात्कार में क्लब के मैनेजर, मालिक और यहां तक साथियों की आलोचना की थी। रोनाल्डो बुधवार को टीम के ट्रेनिंग सत्र में नहीं दिखे जबकि वह जिम में अभ्यास कर रहे थे। हो सकता है कि वह अंतिम 16 मुकाबले में ही खेलें। इससे गोंकालो रामोस या आंद्रे सिल्वा को शुरूआत करने का मौका मिल सकता है। सेंटर बैक दानिलो परेरा के भी मैच में नहीं खेलने की उम्मीद है जो पिछले हफ्ते ट्रेनिंग के दौरान पसली में चोट लगा बैठे थे। वहीं उरूग्वे के खिलाफ पहले हाफ में चोटिल हुए लेफ्ट बैक नुनो मेंडेस की जगह भी दूसरे खिलाड़ी को लाया गया था, उनके भी खेलने की संभावना नहीं है। अगर ब्रुनो फर्नांडिस चुने जाते हैं तो वह अपनी शानदार फॉर्म जारी रखना चाहेंगे। वह अभी तक दो गोल कर चुके हैं और दो गोल करने में मदद कर चुके हैं। वहीं दक्षिण कोरिया को भी जीत दर्ज करने के अलावा उसी समय घाना और उरूग्वे के बीच हो रहे मुकाबले का नतीजा अपने हक में आने की दरकार होगी ताकि वह ग्रुप से पुर्तगाल के साथ अगले दौर में पहुंच सके। अगर घाना जीतती है तो दक्षिण कोरिया क्वालीफाई नहीं कर पायेगी, भले ही पुर्तगाल के खिलाफ नतीजा कुछ भी रहे।

निरंतर प्रदर्शन और रणनीति का कार्यान्वयन सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगा: पूर्व कप्तान

नई दिल्ली । पूर्व कप्तान सरदार सिंह को लगता है कि जनवरी में ओडिशा में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप में शुरू से अंत तक निरंतर प्रदर्शन, बारीकियों पर ध्यान और रणनीति का सही तरह के कार्यान्वयन भारत की सफलता के लिए अहम होगा। भारत के 2010 और 2014 विश्व कप अभियान का हिस्सा रहे इस महान खिलाड़ी ने कहा कि मौजूदा टीम ने हाल के वर्षों में काफी अच्छा काम किया है जिसमें टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतना शामिल है लेकिन खिलाड़ियों को हर वक्त बेहतर करने के लिये भूखा रहना चाहिए। सरदार ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'टीम को कड़ा अभ्यास करना और वो भी लंबे समय के लिए। पदक जीतने के लिये बारीकियों पर ध्यान देना पड़ेगा और टीम को एकजुट काम करना होगा और हर समय एक दूसरे की मदद करनी होगी।' उन्होंने कहा, 'मौजूदा टीम हाल के वर्षों में अच्छा कर रही है और वे काफी प्रतिभाशाली भी हैं। उन्हें कभी भी संतुष्ट नहीं होना चाहिए, हमेशा और अधिक भूखे रहना चाहिए।' हॉकी विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जाएगा। भारतीय टीम इसमें पोडियम स्थान हासिल करना चाहेगी। सरदार ने कहा, 'एक बार खिलाड़ी ओडिशा में विश्व कप में मैदान पर उतर जायेंगे तो खिलाड़ी ने पहले क्या किया है, यह मायने नहीं रखेगा। उन्हें मैच के शुरू में सीटी बजने से लेकर अंत में हूटर बजने तक कड़ी मेहनत करनी होगी और हर समय निरंतर रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'अतिरिक्त प्रयास और फोकस टीम के प्रदर्शन के लिए अहम होगा, साथ ही रणनीति का सही तरह से कार्यान्वयन महत्वपूर्ण होगा। अगर वे ऐसा कर लेते हैं तो नतीजे अपने आप ही मिल जाएंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडैंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. अनुचित डाइट प्लैन: आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।

2. ब्रेकिगं प्वांइट: यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

3. व्यायाम की सही योजना: अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।

4. कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण: वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।

5. हार्मोनल असंतुलन: अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

पाकिस्तान में कोयला खदान में धमाके में नौ श्रमिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से नौ मजदूरों की मौत हो गयी जबकि चार अन्य घायल हो गये। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधिकारी नजीर खान ने बताया कि ओरकजइ जनजातीय जिले के डोली कोयला खदान में बुधवार को गैस में चिंगारी से विस्फोट हुआ। उस समय वहां 13 मजदूर काम रहे थे। उपायुक्त अदनान खान ने बताया कि ठेकेदार समेत नौ लोगों के शव मिले हैं। उन्होंने बताया कि मलबे से चार खनिकों को निकाला गया है और उन्हें गंभीर हालत में केडीए जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके अनुसार सरकार के खदान विकास विभाग के अधिकारियों के एक दल ने घटनास्थल का मुआयना किया एवं वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि गैस में चिंगारी उठने से धमाका हुआ।

तालिबान ने अफगानिस्तान में 'वॉयस ऑफ अमेरिका' का प्रसारण रोका

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार की आधिकारिक प्रसारण सेवा 'वॉयस ऑफ अमेरिका' (वीओए) ने बुधवार को कहा कि तालिबानी प्राधिकारियों ने बृहस्पतिवार से अफगानिस्तान में उसके तथा रेडियो फ्री यूरोप/रेडिया लिबर्टी के एफएम रेडियो प्रसारण पर रोक लगा दी है। वीओए ने कहा कि तालिबानी प्राधिकारियों ने बिना कोई खास वजह बताए ''कार्यक्रम की सामग्री को लेकर मिली शिकायतों'' का हवाला दिया। वीओए तथा आरएफई अमेरिकी सरकार द्वारा वित्त पोषित हैं। हालांकि, वे संपादकीय स्वतंत्रता का दावा करते हैं। गौरतलब है कि तालिबान ने अगस्त 2021 को अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमा लिया था। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहर बाल्खी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में प्रेस कानून हैं और अगर कोई भी नेटवर्क इन कानूनों का ''बार-बार उल्लंघन'' करता हुआ पाया जाता है तो उनका देश में काम करने का विशेषाधिकार छीन लिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''वीओए और आजादी रेडियो (रेडियो लिबर्टी) इन कानूनों का पालन करने में नाकाम रहे, बार-बार उल्लंघन करते पाए गए, पेशेवर रवैया दिखाने में नाकाम रहे और इसलिए उन्हें बंद कर दिया गया।'' पैरोकार समूह 'रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' ने हाल ही में कहा कि अफगानिस्तान तालिबान की सत्ता के बाद से 40 प्रतिशत मीडिया संगठन और 60 प्रतिशत पत्रकारों से हाथ धो चुका है।

श्री श्री रविशंकर को अमेरिकी शहर मेम्फिस में 'द एमिसरी ऑफ पीस' पुरस्कार से सम्मानित

वाशिंगटन। भारतीय आध्यात्मिक नेता एवं वैश्विक स्तर पर मानवता की वकालत करने वाले श्री श्री रविशंकर को अमेरिकी शहर मेम्फिस में राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय द्वारा प्रतिष्ठित 'द एमिसरी ऑफ पीस' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रविशंकर (66) को उनके अनुयायी श्री श्री और गुरुदेव जैसे सम्मानसूचक शब्दों से संबोधित करते हैं। श्री श्री रविशंकर स्वयंसेवी गैर-सरकारी संगठन 'आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक हैं। यह संगठन श्वास तकनीक पर आधारित कई तनाव-निवारण और आत्म-विकास कार्यक्रम, ध्यान एवं योग का प्रशिक्षण देता है। श्री श्री अपने ''आई स्टैंड फॉर पीस'' दौरे के तहत सोमवार को मेम्फिस पहुंचे। राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय में बोर्ड की निदेशक शैला करकेरा ने बुधवार को कहा, ''राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय की ओर से हमें श्री श्री रविशंकर को 'द एमिसरी ऑफ पीस' पुरस्कार प्रदान करने का सौभाग्य मिला है।'' पुरस्कार प्रदान करने के समय करकेरा के साथ राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय में बोर्ड के अध्यक्ष हर्ब हिलियर्ड भी शामिल थे।

मैड्रिड में यूक्रेनी दूतावास में विस्फोट में एक घायल

इंटरनेशनल डेस्क. मैड्रिड में यूक्रेनी दूतावास में बुधवार को एक छोटा धमाका हुआ, जिसकी स्पेन पुलिस जांच कर रही है। गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मीडिया को जारी एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि पुलिस को बताया गया कि दूतावास में एक कर्मचारी पत्र संभालते समय विस्फोट के कारण मामूली रूप से घायल हो गया। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओलेह निकोलेंको ने कहा कि मैड्रिड में दूतावास को एक लिफाफा मिला। निकोलेंको ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, 'जांच के दौरान, लिफाफा दूतावास के प्रबंधक के हाथ में फट गया' ,प्रबंधक को हल्की चोटें आईं, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और आवश्यक चिकित्सा सहायता दी जा रही है। उनकी जान को कोई खतरा नहीं है।' उन्होंने कहा कि दूतावास के अन्य कर्मचारी सुरक्षित हैं। यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने तुरंत सभी यूक्रेनी दूतावासों की सुरक्षा कड़ी करने के आदेश दिये। उन्होंने स्पेन के अपने समकक्ष से हमले की जांच के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा। निकोलेंको ने कहा, 'इस विस्फोट के पीछे जो भी है, वे यूक्रेनी राजनयिकों को डराने या यूक्रेन को सशक्त बनाने में रूसी आक्रमण का मुकाबला करने के उनके दैनिक प्रयासों को रोकने में सफल नहीं होंगे।' मंत्रालय ने कहा कि कार्यकर्ता बिना किसी सहायता के स्वास्थ्य केंद्र गया। स्पेनिश नेशनल टेलीविजन ने कहा कि उन्हें बाद में छुट्टी दे दी गई।

लड़ाई में मारा गया आईएस नेता अबू अल-हासन अल-कुरैशी

इंटरनेशनल डेस्क। इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह का नेता अबू अल-हासन अल-हाशिमी अल-कुरैशी हाल में लड़ाई में मारा गया। यह जानकारी समूह के प्रवक्ता ने बुधवार को जारी एक ऑडियो में दी। अल-कुरैशी के बारे में कम ही जानकारी है जिसने फरवरी में उत्तर पश्चिम सीरिया में अमेरिका के एक हमले में अबू इब्राहिम अल-हाशिमी अल-कुरैशी की मौत के बाद समूह का कामकाज संभाला था। अल-कुरैशी इस साल मारा जाने वाला इस समूह का दूसरा नेता है और यह इस समूह के लिए बड़ा झटका है। किसी ने उसकी मौत की जिम्मेदारी नहीं ली है। आईएस प्रवक्ता अबू उमर अल-मुजाहिर ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब आईएस सीरिया तथा इराक के हिस्सों में घातक हमलों को अंजाम देने की फिराक में है। अल-मुजाहिर ने कहा कि अबू अल-हुसैन अल-हुसैनी अल-कुरैशी को समूह का नया नेता बनाया गया है। आईएस संस्थापक अबू बक्र अल-बगदादी अक्टूबर 2019 में उत्तर पश्चिम में एक हमले में मारा गया था।

व्हाइट हाउस भारत की जी-20 अध्यक्षता का समर्थन करने के लिए उत्साहित है- सचिव कैरिन ज्यां-पियरे

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने बुधवार को कहा कि अमेरिका अगले साल भारत की जी-20 की अध्यक्षता का समर्थन करने के लिए उत्साहित है। भारत ने बृहस्पतिवार को दुनिया की सबसे अमीर अर्थव्यवस्थाओं के समूह की अध्यक्षता औपचारिक रूप से संभाली। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, ''हम एक मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था का निर्माण करने के अपने प्रयास जारी रखते हुए मौजूदा खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने समेत विभिन्न मुद्दों पर अगले साल भारत की जी-20 की अध्यक्षता का समर्थन करने के लिए उत्साहित हैं।'' उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अगले साल भारत की यात्रा करने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, ''जैसा कि आपने देखा कि राष्ट्रपति ने यहां अपने कार्यकाल में जी-20 में भाग लिया है। अभी मेरे पास यात्रा के बारे में बताने के लिए कोई जानकारी नहीं है।'' इस बीच, व्हाइट हाउस ने पाकिस्तान में नए सेना प्रमुख के प्रभार संभालने पर बुधवार को कहा कि अमेरिका, इस्लामाबाद के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है। लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मुनीर ने मंगलवार को औपचारिक रूप से पाकिस्तानी सेना की कमान संभाली। कैरिन ज्यां-पियरे ने कहा, ''पाकिस्तान के साथ हमारे दीर्घकालीन सहयोग को अमेरिका महत्व देता है और उसका मानना है कि एक समृद्ध तथा लोकतांत्रिक पाकिस्तान, अमेरिकी हितों के लिए अहम है।'' उन्होंने कहा, ''हम पाकिस्तान के लोगों तथा क्षेत्र के लिए स्थिरता, समृद्धि को बढ़ावा देने के वास्ते उसके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

चीन में विरोध दुर्लभ नहीं हैं - लेकिन वर्तमान अशांति महत्वपूर्ण है

बीजिंग (एजेंसी)। चीन भर में सड़कों पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों ने थ्येनआनमन चौराहे पर हुए प्रदर्शन की यादें ताजा कर दी हैं, जिन्हें 1989 में बेरहमी से कुचल दिया गया था। दरअसल, विदेशी मीडिया का कहना है कि चीन के कई शहरों में फैली यह अशांति अतीत की उन घटनाओं के बाद देखी गई घटनाओं से एकदम अलग है। निहितार्थ यह है कि चीन में विरोध दुर्लभ है। इस बीच, 30 नवंबर, 2022 को जियांग जेमिन की मौत हो गई, जिन्हें 1989 में खूनी कार्रवाई के बाद लाया गया था और उनका निधन इस बात पर गौर करने का और कारण देता है कि थ्येनआनमन चौराहे के नरसंहार के बाद से चीन कैसे बदल गया है, और कम्युनिस्ट पार्टी के नेता अब अशांति पर कैसे प्रतिक्रिया दे सकते हैं.

लेकिन ये हाल की जन गतिविधियां कितनी असामान्य हैं? और यह 1989 में बड़े पैमाने पर सप्ताह भर चले प्रदर्शनों से कैसे अलहदा हैं? चीन में विरोध पर व्यापक रूप से लिखने के बाद, मैं प्रमाणित कर सकता हूं कि चीन में विरोध बिल्कुल भी असामान्य नहीं है - लेकिन इससे वर्तमान में जो हो रहा है वह कम महत्वपूर्ण नहीं हो जाता है। वर्तमान विरोध प्रदर्शनों और हाल के वर्षों के अधिक विशिष्ट विरोधों के बीच समानता के साथ, आज के प्रदर्शनों और 1989 के प्रदर्शनों के बीच समानताएं भी हैं। फिर भी चीन की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति और घरेलू नेतृत्व में अंतर अब उदार लोकतांत्रिक परिवर्तन की संभावना को कम कर देता है। वर्तमान विरोध स्पष्ट रूप से चीन सरकार की सख्त ''शून्य कोविड'' नीतियों के खिलाफ है। ये प्रदर्शन 24 नवंबर को उरुमकी के उत्तर-पश्चिमी शहर में लगी घातक आग के बाद से भड़क उठे थे, कुछ निवासियों का आरोप था कि लॉकडाउन प्रतिबंध लागू होने के कारण आग बुझाने के प्रयासों में बाधा आई।

अशांति तब से बीजिंग और शंघाई सहित कई शहरों में फैल गई है। हालात महामारी की वजह से अद्वितीय लग सकते हैं। लेकिन कई मामलों में, जो हम देख रहे हैं वह नया या असामान्य नहीं है - विरोध, सामान्य रूप से, चीन में दुर्लभ नहीं हैं। वास्तव में, 1990 से लेकर आज तक, चीन में थ्येनआनमन चौराहे पर हुए प्रदर्शनों की तुलना में लोकप्रिय विरोध अधिक लगातार और व्यापक रहे हैं। चीन सरकार के आँकड़ों के अनुसार, घरेलू ''सामूहिक घटनाओं'' या ''सार्वजनिक व्यवस्था में गड़बड़ी'' - संगठित अपराध से लेकर सड़क पर विरोध प्रदर्शन तक सब कुछ संदर्भित करने के लिए प्रेयोक्ति - की वार्षिक गणना 1990 के दशक की शुरुआत में 5,000 से 10,000 तक से बढ़कर 2000 के दशक की शुरुआत में 60,000 से 100,000 हो गई।

2006 के बाद से आधिकारिक संख्या - जो उस वर्ष के बाद प्रकाशित होना बंद हो गया - न होने के बावजूदचीनी अधिकारियों द्वारा मौखिक बयान और विद्वानों तथा गैर-सरकारी संगठनों द्वारा शोध का अनुमान है कि वार्षिक विरोध प्रदर्शनों की संख्या उच्च दर पर दसियों-हजारों में बनी हुई है। यह कहना सही नहीं है कि हाल के कई शहरों में हो रहे विरोध आश्चर्यजनक या महत्वहीन हैं। इसके विपरीत, इन प्रदर्शनों को मीडिया से जो महत्व मिल रहा है, मेरे विचार में, यह उसके योग्य है। थ्येनआनमन चौक के बाद की अवधि में हर साल होने वाले हजारों विरोध प्रदर्शन अमूमन स्थानीय मुद्दों पर होते थे और उनमें विशिष्ट भौतिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता था।

उदाहरण के लिए, जब ग्रामीणों को लगता है कि उन्हें भूमि अधिग्रहण के लिए दिया जा रहा मुआवजा अनुचितहै, जब निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भुगतान नहीं किया जाता है, या जब निवासियों को अपशिष्ट भस्मक के कारण पर्यावरणीय गिरावट का सामना करना पड़ता है तब उन्होंने विरोध किया इसके विपरीत, मौजूदा विरोध कई शहरों में लॉकडाउन के विरोध में सामने आया है - सीएनएन की रिपोर्ट बताती है कि 17 शहरों में कम से कम 23 प्रदर्शन हुए हैं। वे सभी एक ही मुद्दे पर केंद्रित हैं- कोविड-19 प्रतिबंध। इसके अलावा, उन्हें केंद्रीय पार्टी के नेताओं और सरकार की आधिकारिक नीति पर लक्षित किया जाता है। विरोध के आकार के संदर्भ में निकटतम समानता के लिए, किसी को 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में वापस जाना होगा।

पाकिस्तान की शहबाज सरकार के सेना से खराब हुए रिश्ते?

बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने 1971 युद्ध की हार को बताया- विशाल सैन्य विफलता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-ज़रदारी ने 1971 के भारत और पाकिस्तान के युद्ध को लेकर एक बयान दिया। उन्होंने कहा 1971 की पूर्वी पाकिस्तान की हार 'सैन्य विफलता' थी। बिलावल भुट्टो-जरदारी की टिप्पणी को उनकी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के 55वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक रैली में सेना के पूर्व प्रमुख पर एक परोक्ष उपहास के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल क़मर जावेद बाजवा द्वारा 1971 के भारत और पाकिस्तान के युद्ध को ÷राजनीतिक विफलता÷ करार दिए जाने के कुछ दिनों बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-ज़रदारी ने 1971 के पूर्वी पाकिस्तान की हार को 'विशाल सैन्य विफलता' कहा।

बिलावल की टिप्पणी को उनकी पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के 55वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक रैली में पूर्व सेना प्रमुख पर परोक्ष उपहास के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, पीपीपी प्रमुख ने अपने संस्थापक - उनके दादा जुल्फिकार अली भुट्टो की उपलब्धियों को याद करते हुए, अपनी पार्टी के इतिहास पर दोबारा गौर किया। रिपोर्ट के अनुसार, डॉन अखबार ने उनके हवाले से कहा, जब जुल्फिकार अली भुट्टो ने सरकार संभाली, तो लोग टूट गए थे और सभी उम्मीदें खो दी थीं। लेकिन उन्होंने राष्ट्र का पुनर्निर्माण किया, लोगों के विश्वास को बहाल किया, और अंत में हमारे 90,000 सैनिकों को - जिन्हें 'सैन्य विफलता' के कारण युद्धबंदी बना दिया गया था - वापस घर ले आए। उन 90,000 सैनिकों को उनके परिवारों से मिला दिया गया। और यह सब आशा, एकता और समावेश की राजनीति के कारण संभव हुआ है।

29 नवंबर को अपनी सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले, जनरल बाजवा ने पूर्वी पाकिस्तान के नुकसान को ÷राजनीतिक विफलता÷ कहा, और कहा कि सैनिकों के बलिदान को देश द्वारा ठीक से स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि 92,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्ध में आत्मसमर्पण किया था और दावा किया कि केवल 34,000 जवान थे, जबकि अन्य सभी विभिन्न सरकारी विभागों का हिस्सा थे।

जनरल बाजवा ने कहा था मैं रिकॉर्ड को सही करना चाहता हूं। सबसे पहले, पूर्वी पाकिस्तान का पतन एक सैन्य नहीं, बल्कि एक राजनीतिक विफलता थी। लड़ने वाले सैनिकों की संख्या 92,000 नहीं थी, बल्कि केवल 34,000 थी। बाकी विभिन्न सरकारी विभागों से थे। 1971 में, पाकिस्तान को पूर्वी पाकिस्तान, अब बांग्लादेश में भारत से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

जी-20 की अध्यक्षता संभालने पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दी बधाई, कहा- मिलकर करेंगे काम

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत आज यानी 1 दिसंबर से जी-20 की अध्यक्षता संभाल ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो प्रसारण मन की बात के दौरान कहा था कि यह (जी-20 की अध्यक्षता) भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। हमें इस अवसर का पूरा उपयोग करना है और वैश्विक भलाई और विश्व कल्याण पर ध्यान देना है। शांति हो या एकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता हो या सतत विकास, भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान है। वहीं भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने के साथ ही देश-दुनिया से उसके लिए बधाई संदेश भी आ रहे हैं।

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ'फैरेल ने कहा कि आज भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि इसने जी20 की अध्यक्षता संभाली है। हम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' विषय पर अपने साझा उद्देश्यों और प्रगति को प्राप्त करने के लिए इसके साथ मिलकर काम करने की आशा करते हैं।

भारत एक वर्ष के लिए जी-20 का अध्यक्ष होगा और इस दौरान देश में 55 अलग-अलग जगहों पर संगठन की 200 से ज्यादा बैठकें होंगी। जी-20 की पहली तैयारी बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में उदयपुर में होगी जब जी-20 के 'शेरपा' मिलेंगे। जी-20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

चीन का एलएसी के पास सेना की चौकी बनाना एक और चिंताजनक संकेत : अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बुधवार को कहा कि भारत के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एनएसी) के पास चीन द्वारा सैन्य चौकी का निर्माण किया जाना अपने पड़ोसियों के प्रति चीनी आक्रामकता का चिंताजनक संकेत है। उन्होंने इस संबंध में आई एक खबर के बाद यह टिप्पणी की। समाचार पत्र 'पॉलिटिको' ने बुधवार को दावा किया कि चीन ने भारत के साथ अपनी विवादित सीमा के पास एक सैन्य चौकी बनाई है।

कृष्णमूर्ति ने कहा, ''भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की एक नयी चौकी संबंधी खबर बीजिंग की बढ़ती क्षेत्रीय आक्रामकता का एक और चिंताजनक संकेत है, जो अमेरिका द्वारा भारत और अन्य सुरक्षा साझेदारों के साथ संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता को दोहराता है।

अमेरिकी व्यापार संस्था ने राजदूत संधू के विस्तार का स्वागत किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका स्थित एक प्रमुख व्यापार समर्थक समूह ने बुधवार को नयी दिल्ली के शीर्ष दूत के रूप में तरणजीत सिंह संधू के कार्यकाल में एक साल के विस्तार का स्वागत करते हुए कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारत सरकार ने वाशिंगटन डीसी में संधू के कार्यकाल को जनवरी 2024 के अंत तक एक साल के लिए बढ़ा दिया है।

'यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम' ने कहा कि राजदूत संधू अमेरिकी सरकार की विधायिका और कार्यकारी शाखाओं दोनों के साथ अपनी बातचीत में अद्वितीय विशेषज्ञता और अनुभव लाते हैं। फोरम के अध्यक्ष और सीईओ मुकेश अघी ने एक बयान में कहा, ''उनके कार्यकाल में विस्तार से अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने और इसे नयी ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी।''

संधू को 2024 तक विस्तार पर बधाई देते हुए अघी ने कहा कि राजदूत अमेरिका-भारत संबंधों के विषय में अनुभवी रहे हैं और अमेरिका-भारत साझेदारी के लिए एक असाधारण पूंजी हैं, जो इस रिश्ते को नयी ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

जिनपिंग के डर से छोड़ दिया था चीन! अब इस देश में दिखे अलीबाबा के संस्थापक जैक मा

बीजिंग (एजेंसी)। एक गरीब परिवार में जन्मे अलीबाबा के संस्थापक जैक मा बड़े होकर चीन के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक बन गए। लेकिन, मा अब अपने देश में नहीं रह रहे हैं। तो, वह इन दिनों कहाँ है? ताजा मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अलीबाबा के संस्थापक वर्तमान में जापान के टोक्यो में अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। दरअसल, कहा जाता है कि मा ने पिछले कुछ महीनों में चीन ही नहीं बल्कि कई देशों का दौरा किया है। मा ने 2019 में अपनी रिटायरमेंट की घोषणा की और कहा कि वह अपने कार्य डेस्क की तुलना में समुद्र तट पर अपने जीवन के आखिरी पल गुजारना चाहेंगे।

अब सवाल यह है कि मा चीन से बाहर क्यों गए? खैर, यह अलीबाबा के संस्थापक द्वारा अक्टूबर 2020 में एक विवादास्पद भाषण देने के बाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा था कि चीन के सरकारी बैंकों की 'पॉन शॉप मानसिकता' है। तब से, मा द्वारा स्थापित दो कंपनियों एंट ग्रुप और अलीबाबा ने नियामक बाधाओं का लगातार सामना किया। उन्होंने वैश्विक बैंकिंग नियमों को बुजुर्गों का क्लब करार दिया था। जैक मा के इस बयान के बाद चीन की कम्युनिस्ट पार्टी नाराज हो गई थी और चीन में इस आलोचना को क्मयुनिस्ट पार्टी पर हमले के रूप में लिया गया।

अलीबाबा के संस्थापक अपने परिवार के साथ चीन से बाहर रह रहे हैं क्योंकि वह ÷एकाधिकार-विरोधी नियमों का उल्लंघन÷ करने पर चीनी सरकार के साथ मुसीबत में पड़ गए थे। कहा जाता है कि मा वर्तमान में टोक्यो में रह रहे हैं और उनके महीनों के लंबे प्रवास में हॉट स्प्रिंग्स और ग्रामीण इलाकों में स्की रिसॉर्ट शामिल हैं। मा के करीबी सूत्रों के हवाले से फाइनेंशियल टाइम्स की ओर से आ रही रिपोर्ट में कहा गया है कि मा नियमित रूप से अमेरिका और इस्त्राइल की यात्राएं करती रही हैं। कुछ महीने पहले मा को पिछले साल स्पेन के मल्लोर्का द्वीप पर देखा गया था।

भारत जैसा दोस्त बनने का था ख्वाब, मॉस्को ने दिखा दी औकात, पाकिस्तान ने इंडिया की तरह मांगा डिस्काउंट, रूस ने कहा- Don't angry me

कीव (एजेंसी)। भारत की तर्ज पर पाकिस्तान भी रूस से रियायती कीमतों पर क्रूड ऑयल खरीदने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि रूस की तरफ से पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की छूट देने से साफ इनकार कर दिया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अपने रूसी समकक्षों के साथ बातचीत कर रहे एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने कच्चे तेल पर 30-40 प्रतिशत की छूट मांगी है। हालांकि मॉस्को ने इस मांग को ठुकरा दिया, जिसमें कहा गया था कि वह अभी कुछ भी पेश नहीं कर सकता है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल - जिसमें पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक, सचिव पेट्रोलियम कैप्टन (सेवानिवृत्त) मुहम्मद महमूद, संयुक्त सचिव और मॉस्को में पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी शामिल थे।

अखबार ने अपने सूत्रों के हवाले से कहा कि वार्ता बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई, लेकिन रूसी पक्ष ने पाकिस्तान की मांग पर विचार करने और बाद में राजनयिक माध्यमों से अपने फैसले को साझा करने का वादा किया। अखबार ने कहा कि रूस उपयुक्त समय पर अपने बड़े ग्राहक देशों, जो विश्वसनीय और मजबूत अर्थव्यवस्था वाले हैं, को उस दर पर कच्चे तेल की पेशकश कर सकता है। सूत्रों ने कहा कि अभी सभी वॉल्यूम बड़े खरीदारों के साथ प्रतिबद्ध हैं। रूसी पक्ष ने पाकिस्तान से पहले कराची से लाहौर तक बनने वाली पाकिस्तान स्ट्रीम गैस पाइपलाइन (क्स्तक) की प्रमुख परियोजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करने के लिए कहा। रियायती मूल्य पर कच्चे तेल के आयात की संभावनाओं, भुगतान के तरीके और शिपमेंट लागत का पता लगाने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान का आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल 29 नवंबर को तीन दिवसीय यात्रा पर मास्को के लिए रवाना हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोहरे की वजह से पार कर ली थी सीमा, पाकिस्तान ने बीएसएफ रेंजर को छोड़ा

नई दिल्ली। गलती से सीमा पार करने के बाद पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा पकड़े गए बीएसएफ के एक कांस्टेबल को आज यानी 1 दिसंबर को रिहा कर दिया गया। यह घटना तब हुई जब बीएसएफ के आठ जवानों की एक टीम एलओसी के साथ पंजाब के फाजिल्का जिले में अबोहर सीमा के पास तलाशी अभियान चला रही थी। बीएसएफ कांस्टेबल ने गलती से सीमा पार कर ली क्योंकि सुबह भारी धुंध थी। बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच फ्लैग मीटिंग के बाद कांस्टेबल को रिहा कर दिया गया। बैठक के दौरान, बीएसएफ ने कहा कि सैनिक अनजाने में सीमा पार कर गया और पाकिस्तानी क्षेत्र में आ गया। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि हाल ही में, एक पाकिस्तानी नागरिक, जिसने अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था, को अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से मंगलवार को 10 साल की जेल की सजा पूरी करने के बाद वापस लाया गया था। प्रोटोकॉल अधिकारी अरुणपाल सिंह ने एएनआई को बताया कि रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के नरोवाल क्षेत्र के रहने वाले काला मासी को जेल की सजा पूरी होने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि मासी ने 2011 में बिना पासपोर्ट और वीजा के रामदास इलाके से भारत में प्रवेश किया था। मस्सी को मजीठा (पंजाब) में पिस्टल और कारतूस के साथ पकड़ा गया था। सिंह के अनुसार एक अदालत ने उन्हें 10 साल की जेल की सजा सुनाई थी और उन पर 2,10,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। अधिकारी ने कहा, 'काला मस्सी को पाकिस्तान भेजा जा रहा है। उसके पास से कोई मुद्रा बरामद नहीं हुई है।'

हनुमान चालीसा विवाद :नवनीत राणा और रवि राणा को कोर्ट से झटका, वारंट जारी

मुंबई। हनुमान चालीसा पाठ के मामले में बॉम्बे सेशंस कोर्ट ने राणा दंपती को वारंट जारी किया है। राणा की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। नवनीत राणा और विधायक रवि राणा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के 'मातोश्री' आवास के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया था। इस विरोध के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। खार ठाणे में अपराध और गिरफ्तारी के बाद राणा दंपति को जमानत पर रिहा कर दिया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि इस मामले की सुनवाई के लिए राणा दम्पति उपस्थित नहीं है। राणा 11 नवंबर को होने वाली सुनवाई में मौजूद नहीं थे। इसलिए कोर्ट ने उन्हें वारंट जारी किया है। यह वारंट जमानती है। उन्हें 5 हजार की जमानत पर रिहा किया जाएगा। लेकिन राणा दंपत्ति को अगली सुनवाई के लिए यहीं से पेश होना होगा। बॉम्बे सेशंस कोर्ट ने यह वारंट जारी किया था। बता दें कि बीते कुछ दिनों पहले नवनीत राणा हनुमान चालीसा पाठ को लेकर सुर्खियों में रही थीं। इतना ही नहीं इस मसले को लेकर उसने उद्धव सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। वहीं तब सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को मुंबई पुलिस ने हनुमान चालीसा विवाद में सशर्त जमानत दी थी लेकिन पुलिस ने इस बाबत बाद में कहा था कि राणा दपति ने शर्त का उल्लंघन किया। लिहाजा उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाए।

दिल्ली में 3 दिनों तक रहेगा ड्राई डे, एमसीडी चुनाव के कारण शराब की बिक्री पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगले 3 दिनों तक ड्राई डे रहेगा। यानी कि अगले 3 दिनों तक आपको दिल्ली में शराब नहीं मिलेगी। यह शुक्रवार से लागू होगा। शुक्रवार से 3 दिनों तक शराब की दुकानें राष्ट्रीय राजधानी में बंद रहेंगी। यह फैसला दिल्ली के आबकारी विभाग की ओर से लिया गया है। दिल्ली नगर निगम चुनाव की वजह से यह फैसला लिया गया है। दिल्ली में 250 नगर निगम की सीटों पर 4 दिसंबर यानी कि रविवार को वोटिंग होनी है। यही कारण है कि शुक्रवार से ही दिल्ली में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दी गई है। एमसीडी चुनाव के नतीजे 7 दिसंबर को आएंगे। 7 दिसंबर को ड्राई डे रहेगा। यानी कि दिल्ली में 2 से 4 दिसंबर और 7 दिसंबर को ड्राई डे रहने वाला है। दिल्ली आबकारी विभाग की ओर से जो बताया गया है उसके मुताबिक एक्सरसाइज रूल 2010 के नियम 52 के तहत 2 से 4 दिसंबर तक और 7 दिसंबर को ड्राई डे रहेगा। गौरतलब है कि ड्राई डे उस दिन को कहा जाता है जब सरकार की ओर से दुकानों, क्लब, बार में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं। बता दें कि चुनाव के वक्त मतदाताओं के बीच शराब बांटे जाने की भी खबरें आती रही हैं। इसको लेकर भी इस तरह के फैसले लिए जाते हैं। 7 दिसंबर को 24 घंटे के लिए ड्राई डे रहेगा। 2 दिसंबर 2022 शुक्रवार शाम 5 :30 से 4 दिसंबर रविवार शाम 5 :30 बजे तक ड्राई डे रहेगा। आपको बता दें कि दिल्ली में एमसीडी चुनाव होने हैं। एमसीडी चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। माना जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के ही बीच होगा। हालांकि, कांग्रेस भी अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रही है।

जम्मू कश्मीर में परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका पर न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा

उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए एक परिसीमन आयोग के गठन के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में कहा गया है कि सरकार ने इस मामले में संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। न्यायमूर्ति एस.के. कौल और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, निर्वाचन आयोग और याचिकाकर्ताओं के वकीलों की दलीलें सुनीं। पीठ ने कहा, 'जिरह सुनी गई। फैसला सुरक्षित।' दो याचिकाकर्ताओं हाजी अब्दुल गनी खान और मोहम्मद अयूब मट्टू की तरफ से पेश वकील ने दलील दी थी कि परिसीमन की कवायद संविधान की भावनाओं के विपरीत की गई थी और इस प्रक्रिया में सीमाओं में परिवर्तन तथा विस्तारित क्षेत्रों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए था। याचिका में यह घोषित करने की मांग की गई थी कि जम्मू कश्मीर में सीटों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 24 सीटों सहित) संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों, विशेष रूप से जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 63 के तहत अधिकारातीत है। याचिका में कहा गया था कि 2001 की जनगणना के बादप्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करके पूरे देश में चुनाव क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की कवायद की गयी थी और परिसीमन अधिनियम, 2002 की धारा तीन के तहत 12 जुलाई, 2002 को एक परिसीमन आयोग का गठन किया गया था।

किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं : टीआरएस नेता कविता

नई दिल्ली। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की विधान परिषद की सदस्य के. कविता ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी केंद्रीय एजेंसियों के निशाने पर आयी वह और उनकी पार्टी के नेता किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। वह उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रही थी कि ईडी ने एक रिमांड रिपोर्ट में दिल्ली शराब घोटाला मामले में आरोपी के तौर पर उनके नाम का उल्लेख किया है। कविता ने कहा, ''हम किसी भी तरह की जांच का सामना करेंगे। अगर एजेंसियां आती हैं और हमसे सवाल करती हैं तो हम निश्चित तौर पर जवाब देंगे। लेकिन मीडिया को चुनिंदा सूचनाएं लीक करके नेताओं की छवि बिगाड़ना... लोग इसे खारिज कर देंगे।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन्हें तथा अन्य नेताओं को किसी भी गलत काम का दोषी साबित कर जेल में रखने की चुनौती दी। टीआरएस पार्टी के कार्यकर्ता एकजुटता व्यक्त करते हुए बड़ी संख्या में उनके आवास पर एकत्रित हो गए।

दिल्ली में बड़े घोटाले का खुलासा ! भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के सर्वे में चौंकाने वाला दावा, पंजीकृत 50 फीसदी से ज्यादा निर्माण मजदूर फर्जी

लखनऊ (एजेंसी)। । देश की राजधानी दिल्ली में पंजीकृत 50 फीसदी से ज्यादा निर्माण मजदूर फर्जी पाए गए हैं। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने एक सर्वे में इस बात का खुलासा किया है। दिल्ली भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में दर्ज कथित फर्जी लाभार्थियों की शिकायत की जांच करते हुए दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने एक सर्वेक्षण किया और पाया कि 50त्न फर्जी कर्मचारी थे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 26 सितंबर को मजदूरों के कल्याण के लिए काम करने वाले संगठनों द्वारा बोर्ड के कामकाज में कथित ÷अनियमितताओं÷ की जांच का आदेश दिया था। सरकार ने कहा था कि अगर लोगों ने श्रम विभाग के एक हिस्से बोर्ड द्वारा दी जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं का अनुचित लाभ लेने के लिए फर्जी तरीके अपनाए हैं तो वह सख्त कार्रवाई करेगी।

सूत्रों ने कहा कि एसीबी ने प्रथम दृष्टया 13,13,309 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों में से दो लाख से अधिक को फर्जी पाया। इसके बाद इसने 800 को सैंपल साइज के रूप में लिया और उनमें से 424 को ÷फर्जी÷ पाया। उनमें कई समान मोबाइल नंबर और समान स्थानीय पते वाले और कुछ समान स्थायी पते वाले शामिल थे। प्रत्येक नंबर, जिनमें से अधिकांश या तो बंद थे या अमान्य थे। जवाब देने वालों ने कहा कि वे किसी नितिन को नहीं जानते हैं।÷जब हमने लाभार्थियों से फोन पर संपर्क किया, तो वे या तो अलग-अलग रोजगार में थे या गृहस्थी में थे।

बोर्ड के साथ रजिस्ट्रेशन करने के लिए आवेदक को नियोक्ता द्वारा सत्यापित फॉर्म के साथ एक रोजगार प्रमाण पत्र जमा करना होता है। एक अधिकारी ने कहा कि एक जैसे नंबर वाले कई लाभार्थियों की जांच करने पर पता चला है कि वे दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे थे और किसी निर्माण कार्य में शामिल नहीं रहे।

योगी आदित्यनाथ ने भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी बधाई

लखनऊ। । (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत के जी-20 की अध्यक्षता औपचारिक रूप से संभालने पर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी और कहा कि देश मानव-केंद्रित वैश्वीकरण की दिशा में नए प्रतिमान रच रहा है। पिछले महीने इंडोनेशिया के बाली में आयोजित दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन के अंत में भारत को इस प्रभावशाली समूह की अध्यक्षता सौंपी गई थी। राष्ट्राध्यक्षों या सरकार के स्तर पर नेताओं का अगला जी-20 शिखर सम्मेलन नौ और 10 सितंबर, 2023 को नयी दिल्ली में आयोजित होने वाला है।

आदित्यनाथ ने ट्वीट किया, ''आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' के उदार एवं उदात्त भाव को चरितार्थ करते हुए वैश्विक पटल पर नित्य नए प्रतिमान रच रहा है। जी 20 की अध्यक्षता इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष पर इस उपलब्धि के लिए आपका अभिनंदन।'' भारत ने एक दिसंबर को दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के अंतर-सरकारी

मंच 'जी-20' की औपचारिक रूप से अध्यक्षता संभाली।

भारत एक वर्ष के लिए जी-20 का अध्यक्ष होगा और इस दौरान देश में 55 अलग-अलग जगहों पर संगठन की 200 से ज्यादा बैठकें होंगी। जी-20 की पहली तैयारी बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में उदयपुर में होगी जब जी-20 के 'शेरपा' मिलेंगे। जी-20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में भारी मात्रा में हथियार एवं गोलाबारूद बरामद, दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के काशीपुर इलाके में एक मकान से भारी मात्रा में 'गन पाउडर', सॉकेट बम और आग्नेयास्त्र बरामद किये गये हैं। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के बाद बुधवार रात को छापे के दौरान इस मकान के मालिक और उसके बेटे को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, '' काशीपुर थानाक्षेत्र के नातापुकुर इलाके में नबीरूल मोल्ला के घर से हमने 15 किलोग्राम गन पाउडर , एक बंदूक, बम बनाने में काम आने वाले धातु के 17 खाली बक्से, एक आधी-अधूरी बनी बंदूक जब्त की।'' उनके अनुसार मोल्ला और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति का आह्वान किया

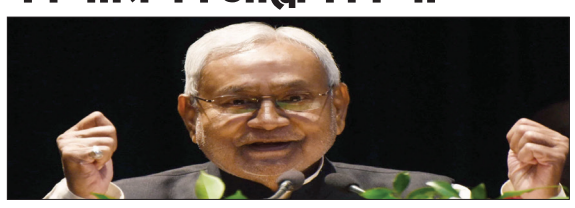

पटना। (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति का आह्वान करते हुए कहा कि कुछ राज्य अन्य की तुलना में ऊंची कीमत पर बिजली खरीदते हैं। कुमार ने बुधवार को 15,871 करोड़ रुपये मूल्य की बिजली विभाग की परियोजनाओं का अनावरण करते हुए कहा कि बिहार को अन्य राज्यों की तुलना में केंद्र सरकार के बिजली संयंत्रों से ऊंची दर पर बिजली मिलती है। कुमार ने कहा, ''सारे राज्य देश के समग्र विकास में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। मैंने पहले भी कई बार कहा था कि 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति होनी चाहिए। आखिर कुछ राज्य ऊंची कीमत पर बिजली क्यों खरीद रहे हैं? देश भर में एकीकृत बिजली दर होनी चाहिए।''

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य में स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाने का फैसला किया है। कुछ राज्यों में ऐसी योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम अपने बिजली उपभोक्ताओं को सब्सिडी देते हैं। हम बहुत अधिक दर पर बिजली खरीदते हैं और अपने उपभोक्ताओं को बहुत कम दर पर उपलब्ध कराते हैं। मुझे उन लोगों से कोई दिक्कत नहीं है जो मुफ्त बिजली देने की बात करते हैं।''

कुमार ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अक्टूबर 2018 में राज्य में हर घर में बिजली का कनेक्शन पहुंचे। उन्होंने कहा, ''जब हमें 2005 में बिहार में लोगों की सेवा का अवसर मिला तो राज्य में बिजली की खपत महज 700 मेगावाट थी जो अब बढ़कर 6,738 मेगावाट हो गई है।

प्रकाश सिंह बादल को मिली पेंशन का रिकॉर्ड पेश करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई का सामना करें मान : सुखबीर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने बुधवार को कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पर पेंशन लेने के संबंध में लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए या तो सार्वजनिक तौर पर सबूत पेश करना चाहिए या कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मान आम आदमी पार्टी (आप) के इशारे पर मानहानिकारक अभियान चला रहे हैं। उन्होंने आप पर गुजरात समेत उन कई राज्यों में करोड़ों रुपए खर्च करने का आरोप लगाया, जहां चुनाव होने वाले हैं। खबर है कि गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के लिए चुनाव प्रचार करने के दौरान मान ने कहा था कि प्रकाश सिंह बादल पूर्व विधायक के तौर पर कई पेंशन प्राप्त कर रहे थे और उनकी सरकार ने नया कानून लाकर इस परिपाटी को रोका। उल्लेखनीय है कि पंजाब में अब नए कानून के तहत पूर्व विधायक को केवल एक कार्यकाल की पेंशन प्राप्त होगी और प्रत्येक कार्यकाल के लिए अलग-अगल मिलने वाली पेंशन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए एक दिसंबर और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा। इस मुकाबले में 'आप' और कांग्रेस भाजपा को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रही हैं। शिअद प्रमुख ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''भगवंत मान को यह लग सकता है कि वह झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर सकते हैं, लेकिन हम उन्हें उनके शब्दों के लिए जवाबदेह बनाएंगे। अब, उन्हें अपने दावों को सही साबित करने के लिए या तो सार्वजनिक रूप से रिकॉर्ड पेश करने होंगे या अपने बयानों के लिए माफी मांगनी होगी। यदि वह इनमें से कुछ भी नहीं करते हैं, तो हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।'' सुखबीर बादल ने आरोप लगाया कि मान ने प्रकाश सिंह बादल पर पेंशन के रूप में लाखों रुपए लेने का झूठा आरोप लगाया।

'अब उत्तराखंड में कोई धर्मान्तरण नहीं करा पाएगा, पकड़े जाने पर होगी 10 साल तक की सजा', सीएम धामी का ऐलान

देहरादून (एजेंसी)। देश में धर्मांतरण का मुद्दा लगातार उठता रहा है। धर्मांतरण को लेकर कानून बनाए जाने की भी मांग हिंदू संगठनों की ओर से की जाती रही है। जबरन धर्मांतरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी सख्ती दिखाई है। केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। सरकार की ओर से दावा किया गया कि वह इस मामले से अवगत है और कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इन सबके बीच उत्तराखंड सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। उत्तराखंड में अब अगर कोई भी व्यक्ति का धर्मांतरण कराया जाता है और वह पकड़ा गया तो उसे 10 साल तक की सजा हो सकती है। इस बात की जानकारी खुद राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी है।

अपने बयान में पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि धर्मान्तरण बहुत प्रकार से बहुत जगह चल रहा था और ये हमारे लिए गंभीर विषय बनता जा रहा था।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसलिए हमें कानून को सख्त बनाना पड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने इस पर कानून बनाया है और अब उत्तराखंड में कोई धर्मान्तरण नहीं कर पाएगा, अगर धर्मान्तरण में किसी का नाम आता है तो उसे 10 साल तक की सजा होगी। धामी ने यह भी कहा कि उत्तराखंड देव भूमि है और यहां जबरन धर्मांतरण जैसी चीजें हमारे लिए खतरनाक हो सकती हैं। इसलिए हमने धर्मांतरण विरोधी कानून को सख्त बनाने का फैसला किया है। उत्तराखंड में 2018 में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून लाया गया था।

पहले इसमें 1 से 5 साल की कैद तथा एससी-एसटी के मामले में 2 से 7 साल की कैद की सजा थी। हालांकि अब इस को बढ़ा दिया गया है। नए कानून के मुताबिक अब जबरन धर्मांतरण के मामले में आप अगर पाए जाते हैं तो 10 साल तक की आपको सजा हो सकती है। इतना ही नहीं, आप पर कुछ जुर्माने भी लगाए जा सकते हैं। जबरन धर्मांतरण को लेकर ओडिशा, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश में पहले से ही कानून मौजूद है। जबरन धर्मांतरण पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इसे रोकने के खिलाफ कोई समग्र कानून नहीं है।

तेलंगाना में प्रथम ट्रांसजेंडर डॉक्टर बनकर दो ट्रांसजेंडर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने निजी जीवन की चुनौतियों से टक्कर लेते हुए चिकित्सा की पढ़ाई पूरी करने वाले दो ट्रांसजेंडर ने तेलंगाना में प्रथम ट्रांसजेंडर डॉक्टर बनकर इतिहास रचा है। प्राची राठौड़ और रूथ जॉनपॉल हाल में चिकित्सा अधिकारियों के रूप में सरकारी उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) से जुड़े। राठौड़ को उनकी लैंगिक पहचान की वजह से शहर के एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने नौकरी से निकाल दिया था।

उन्होंने आदिलाबाद के एक चिकित्सा महाविद्यालय से 2015 में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी। उन्होंने पीटीआई-के साथ बातचीत में सामाजिक दाग और बचपन से उनके साथ होते आये भेदभाव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''आपकी सारी उपलब्धियों के बावजूद दाग और भेदभाव कभी नहीं जाता।'' राठौड़ स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए दिल्ली गयी थीं लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण उन्हें हैदराबाद लौट आना पड़ा। उन्होंने यहां एक अस्पताल में काम करते हुए आपात चिकित्सा में डिप्लोमा किया। राठौड़ ने तीन साल तक शहर के एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में काम किया लेकिन लैंगिक पहचान की वजह से उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया क्योंकि अस्पताल ने महसूस किया कि इसकी वजह से मरीजों की संख्या घट सकती है। बाद में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) उनकी मदद के लिए आगे आया और उन्हें इस एनजीओ के क्लीनिक में नौकरी मिली।

श्रद्धा हत्याकांड का हवाला देते हुए विश्व हिंदू परिषद ने राष्ट्रव्यापी 'लव जिहाद विरोधी' कानून की मांग की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद ने भारत में 'लव जिहाद को रोकने' के लिए एक केंद्रीय कानून की मांग की है। संगठन ने श्रद्धा वालकर की हत्या के मामले का हवाला दिया, जिसे उसके लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने मार डाला और उसके शव के 35 टुकड़े कर दिए। विश्व हिंदू परिषद ने श्रद्धा वालकर हत्याकंड पर कहा कि यह हत्या 'स्पष्ट कट लव जिहाद का मामला' था। वीएचपी ने दावा किया कि उसने अकेले नई दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में लगभग 420 'लव जिहाद' मामलों की एक सूची तैयार की है। संगठन ने श्रद्धा वाकर हत्याकांड को लव जिहाद से जोड़ा।

नयी दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद ने भारत में ÷लव जिहाद को रोकने÷ के लिए एक केंद्रीय कानून की मांग की है। संगठन ने श्रद्धा वालकर की हत्या के मामले का हवाला दिया, जिसे उसके लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने मार डाला और उसके शव के 35 टुकड़े कर दिए। विश्व हिंदू परिषद ने श्रद्धा वालकर हत्याकंड पर कहा कि यह हत्या 'स्पष्ट कट लव जिहाद का मामला' था। वीएचपी ने दावा किया कि उसने अकेले नई दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में लगभग 420 'लव जिहाद' मामलों की एक सूची तैयार की है। संगठन ने श्रद्धा वाकर हत्याकांड को लव जिहाद से जोड़ा।

एफएसएल के सूत्रों के मुताबिक, उसके पॉलीग्राफी तथा नार्को जांच के दौरान दिए गए जवाबों का विश्लेषण किया जाएगा और पूनावाला को उसके द्वारा दिए गए जवाबों के बारे में बताया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नार्को जांच से पहले पूनावाला की रक्तचाप, नाड़ी की गति, शरीर का तापमान और दिल की धड़कन की जांच समेत अन्य सामान्य जांच की गयी। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के तहत, पूनावाला और उसकी जांच कर रही नार्को टीम की पूरी जानकारी के साथ एक सहमति फॉर्म उसके समक्ष पढ़ा गया।

फॉर्म पर उसके हस्ताक्षर करने के बाद नार्को जांच की गयी। नार्को जांच में सोडियम पेंटोथल, स्कोपोलामाइन और सोडियम एमिटल जैसी दवा दी जाती है जो व्यक्ति को एनेस्थीसिया के विभिन्न चरणों तक लेकर जाती है। सम्मोहन (हिप्नोटिक) चरण में व्यक्ति पूरी तरह होश हवास में नहीं रहता और उसके ऐसी जानकारियां उगलने की अधिक संभावना रहती है जो वह आमतौर पर होश में रहते हुए नहीं बताता है। जांच एजेंसियां इस जांच का इस्तेमाल तब करती हैं जब अन्य सबूतों से मामले की साफ तस्वीर नहीं मिल पाती है। दिल्ली पुलिस ने पहले कहा था कि उसने पूनावाला की नार्को जांच की मांग की है क्योंकि पूछताछ के दौरान उसके जवाब ''भ्रामक'' रहे।

उच्चतम न्यायालय का आदेश है कि नार्को जांच, ब्रेन मैपिंग और पॉलिग्राफी जांच

संबंधित व्यक्ति से मंजूरी लिए बिना नहीं की जा सकती हैं। साथ ही इस जांच के दौरान दिए गए बयान अदालत में प्रारंभिक सबूत के तौर पर स्वीकार्य नहीं हैं। केवल कुछ परिस्थितियों में ही ये स्वीकार्य हैं जब पीठ को मामले के तथ्य और प्रकृति इसके अनुरूप लगे। पूनावाला (28) पर अपनी 'लिव-इन पार्टनर' श्रद्धा वालकर की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े करने का आरोप है। आरोप है कि उसने शव के टुकड़ों को दक्षिण दिल्ली में महरौली के अपने घर में करीब तीन सप्ताह तक 300 लीटर के एक फ्रिज में रखा और फिर कई रातों तक उसे शहर के विभिन्न स्थानों पर जाकर फेंकता रहा। उसे 12 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

सरकारी राशन घोटाले के मामले में दो महिलाएं गिरफ्तार,अन्य फरार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. फर्जी बिल बना कर गरीबों व जरुरतमंदों का 1.36 करोड़ रुपए का राशन हड़प कर घोटाला करने के आरोप में सचिन पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया हैं, जबकि पांच अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक नवसारी जिले के गणदेवी मातृछाया निवासी रत्ना शाह (48), कतारगाम नृसिंह नगर सोसायटी निवासी आकांक्षा रावल को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि रत्ना शाह ट्रांसपोर्ट व लेबर ठेकेदार है जबकि आकांक्षा कंप्युटर ऑपरेटर हैं। अन्य आरोपियों के भी सभी संभावित ठिकानों पर छापे मारे गए लेकिन वे नहीं मिले। रत्ना व आकांक्षा को अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों की रिमांड याचिका खारीज कर दी।

यहां उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों सचिन स्थित सरकारी राशन गोदाम में घोटाला सामने आया था। इस संदर्भ में सचिन पुलिस ने रत्ना व आकांक्षा के अलावा गोदाम की प्रबंधक व्यारा निवासी प्रिति चौधरी, दिल्ली गेट वैरागी वाडी निवासी ठेकेदार राकेश ठाकुर, दर्शन शाह, शार्प एण्ड एसोशिएट के संचालक व अनुज तथा साहिल को नामजद किया था।

कुबेरजी वर्ल्ड से फरार संजय खत्री की दौड़ खत्म

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. छह माह पूर्व शहर के 43 कारोबारियों से करीब 3.16 लाख रुपए का ग्रे कपड़ा उधार लेकर फरार हुए संजय खत्री की दौड़ मंगलवार को खत्म हो गई। सूरत लौटने पर आर्थिक अपराध निरोधक शाखा (इको क्राइम ब्रांच) ने उसे दबोच लिया। इको क्राइम ब्रांच ने बुधवार शाम संजय को तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र के निवासी संजय खत्री ने नियोजित साजिश के तहत पालनपुर केनाल रोड कासाकिंग निवासी प्रदीप बक्सानी व अन्य 42 कारोबारियों के साथ धोखाधड़ी की। संजय ने गत वर्ष सितम्बर में सारोली स्थित कुबेरजी मार्केट में रुद्राक्ष टेक्सटाइल के नाम से दुकान शुरू की।

फिर उसने रिंगरोड गोल्डन प्लाजा में सतनाम टेक्सटाइल के नाम से कारोबार करने वाले प्रदीप का फोन कर संपर्क किया। उसने प्रदीप को फोन कर बताया कि उनका नम्बर उसे शिवम मिल के मास्टर संजय ने दिया है। फिर उनसे कहा कि मैं सवाई माधोपुर से सूरत आया हूं।

जयपुर की निवाई मंडी में मेरे पिता कन्हैयालाल खत्री का तेल का बड़ा कारोबार है। मैंने फिनिश कपड़े का कारोबार शुरू किया। यदि आप माल देंगे तो दो-तीन दिन में ही पैमेंट करवा दूंगा । प्रदीप ने शिवम मिल वाले संजय को फोन कर इस बारे में बात की तो संजय ने बताया कि संजय खत्री का माल उसी की मिल में बनता है।

इस पर प्रदीप ने उसे माल देना शुरू कर दिया। शुरू में उसने समय पर भुगतान किया और भरोसा जीता। प्रदीप ने कुल 1.99 करोड़ रुपए का माल उधार दिया। शुरू में वह एक सप्ताह में भुगतान करता था फिर अन्य राज्यों में भी कारोबार होने की बात बता कर पैमेंट में देरी करना शुरू कर दिया।

उसने टुकड़ों में 1.36 करोड़ रुपए का भुगतान किया लेकिन बकाया 62.57 लाख रुपए का पैमेंट नहीं किया। करीब छह माह के दौरान उसने प्रदीप की तरह शहर के 42 अन्य कारोबारियों को भी अपना परिचय और रैफरेंस देकर भरोसे में लिया और उनके भी टुकड़ों में बड़े पैमाने पर माल उधार लिया।

उनके बकाया 2.58 करोड़ रुपए का पैमेंट नहीं किया। मार्च एंड में दुकान बंद कर फरार हो गया। आखिरकार कारोबारियों ने एक जुट होकर इको क्राइम ब्रांच में प्राथमिकी दर्ज करवाई। संजय का सुराग नहीं मिलने पर पुलिस ने उसका 38.76 लाख का माल जब्त किया था।

लंबे समय से फरार चल रहे संजय के सूरत लौटने की खबर मिलने पर इको क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार देर शाम उसे नानपुरा इलाके से उसे गिरफ्तार कर लिया।

टेम्पो बदल कर जयपुर में बेचा माल

पुलिस ने बताया कि संजय उधार लिया गया माल चोरी छिपे जयपुर व अन्य शहरों में नकद में बेचता था। इस बारे में किसी को पता नहीं चले इसलिए वह टेम्पो रास्ते में बदलवा देता था। जो टेम्पो तैयार माल लेकर मिलों से निकलते थे। रास्ते में दूसरे टेम्पो चालकों को भेज कर उनसे माल ले लेता था ताकि किसी को पता नहीं चले की माल कहा जा रहा हैं।

अलग अलग राज्यों में छिप कर रहा

पुलिस ने बताया कि संजय सूरत से भाग कर दिल्ली गया। उसके बाद कश्मीर, राजस्थान और फिर उतराखंड़ में अलग-अलग स्थानों पर छिप कर रहा। लंबा समय होने पर उसने सोचा कि अब तक मामला ठंडा पड़ चुका होगा और वह सूरत लौट आया। वह यहां फिर से कुछ करने की फिराक में था। उससे पहले ही उसे पकड़ लिया।

युवा से लेकर वृद्धों तक ने बड़े उत्साह के साथ मतदान किया और लोकतंत्र के महापर्व को मनाया.

गुजरात विधानसभा के आम चुनाव के पहले चरण के मतदान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत: गुरुवार : गुजरात विधानसभा के आम चुनाव के पहले चरण के मतदान में युवा से लेकर वृद्धों तक ने बड़े उत्साह के साथ मतदान किया और लोकतंत्र के महापर्व को मनाया.

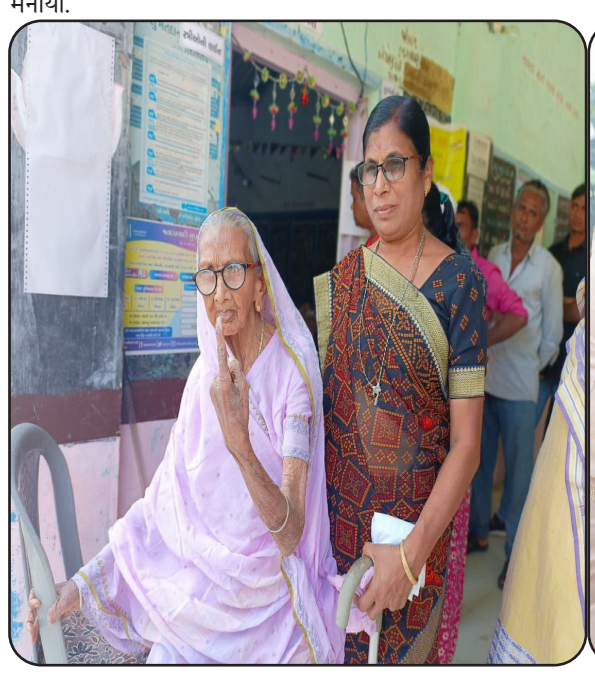

महुवा तालुक के बहवल गांव के आश्रम पलिया में रहने वाली आदिवासी समाज की अनमोल रत्न और आजादी की जंग में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाली सूरत जिले की एकमात्र जीवित स्वतंत्रता सेनानी मणिबेन बापूभाई पटेल ने लोकतंत्र पर्व को सही मायनों में मनाया. गांव (ढोडिया) के अंबिका बहावल प्राथमिक विद्यालय के मतदान केंद्र पर मतदान कर जागरूक किया। मणिबेन का कहना है कि लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने गुलामी की जंजीरों से मुक्त होने के लिए अपने प्राणों की आहूति दी, जिसके फलस्वरूप यह महान स्वतंत्रता प्राप्त हुई है, इसलिए सभी को मतदान करके लोकतंत्र के इस महान पर्व को मनाना चाहिए. मणिबेन को 101 साल हो गए हैं। वे हर चुनाव में निरपवाद रूप से मतदान करते हैं। वे अपना दैनिक कार्य भी स्वयं करते हैं, परिवार शांतिपूर्ण और आरामदायक जीवन जीने पर जोर देता है, लेकिन वे कहते हैं कि 'हम काम करेंगे, तो शरीर ठीक रहेगा'।

स्वतंत्रता संग्राम में मनीबे के अमूल्य योगदान से आज की युवा पीढ़ी सीख सकती है। जब महात्मा गांधी ने 'करेंगे या मर जाएंगे' का नारा दिया, तो देश भर के लाखों सत्याग्रहियों ने अंग्रेजों के खिलाफ जोश के साथ लड़ाई लड़ी। उस समय मणिबेहन और उनके पति बापूभाई, जो आदिवासी समाज के अनमोल रत्न थे, ने स्वतंत्रता आंदोलन और विभिन्न गतिविधियों में एक साथ भाग लिया। वे कहते हैं कि 1942 में मैं 20 साल का था जब मैं और हमारे समूह की चार-पांच बहनें विदेशी कपड़ा बेचने वाली एक दुकान के सामने धरना देने जा रहे अल्लपाड में गिरफ्तार कर ली गईं. अदालत ने छह महीने की सजा सुनाई और साबरमती जेल भेज दिया। जब जेल भरो आंदोलन के कारण जेलें खचाखच भरी थीं, तब हम दो महीने में रिहा हुए।

हम स्वतंत्रता सेनानी हैं, हमने भी स्वतंत्रता संग्राम के लिए कारावास झेला है। लोकतंत्र के महापर्व में हर मतदाता ने वोट डालने की अपील की। मणिबेहन जैसे स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी रहे स्वतंत्रता सेनानियों का आज स्वतंत्र और आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक उत्सव में भाग लेना भी नई पीढ़ी और देश के लिए गर्व का क्षण है।

साइबरसेल ने ऑनलाइन ठगी के शिकार लोगों को लौटाए पैसे, दो मामलों में फर्जी पहचान बताकर खाते से निकाले पैसे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लालच देकर और तरह-तरह की स्कीमों के जरिए ऑनलाइन ठगी के मामले सूरत में बढ़ते जा रहे हैं। इसी प्रकार से शहर में दो लोग ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए। ऑनलाइन फ्रोस्टर ने एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग से होने का दावा करने वाले एक बैंक एकाऊन्ट होल्डर से 96,000 से अधिक शेयर ले लिए। दूसरे मामले में, उन्होंने खुद को जीईबी से बोलने वाला बताकर बिल का भुगतान करने के बहाने 10,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इन दोनों ही मामलों में साइबर सेल की टीम ने शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करते हुए पूरा भुगतान लौटा दिया।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड विभाग की पहचान बताकर धोखाधड़ी

सूरत के उधना स्थित बीआरसी राजेश्वर प्लाजा निवासी दिनेश कुमार प्रसाद ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए। दिनेशभाई लंबे समय से एसबीआई बैंक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं। दिनेशभाई को एक अज्ञात नंबर से एसबीआई बैंक के नाम से एक ऑनलाइन जालसाज का कॉल आया। दिनेशभाई को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से बताया गया कि वह एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग से बोल रहे हैं। आपके क्रेडिट कार्ड की सीमा और वैधता बढ़ाने के लिए एक विशेष पेशकश है। उसके लिए आवश्यक प्रक्रिया करनी होगी। तो उनके अनुसार दिनेशभाई ने एनी डेस्क नामक एप्लिकेशन को डाउनलोड किया और उनके द्वारा भेजे गए लिंक के अनुसार जानकारी जमा की। बाद में कुछ ही समय में दिनेशभाई के एसबीआई बैंक क्रेडिट कार्ड से कुल 96,999 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए गए। अचानक पैसे ट्रांसफर होने पर दिनेशभाई ठगा हुआ महसूस कर रहे थे। फिर दिनेशभाई ने उस नंबर पर फोन किया और पैसे वापस लाने की बात करने की कोशिश की लेकिन फोन बंद था और कोई संपर्क नहीं हो सका।

जीईबी से बोल रहा हु कहकर धोखाधड़ी की गई

सूरत के पालनपुर पाटिया इलाके में रहने वाली भूमिकाबेन इंजीनियर भी जीईबी बिल भरने के नाम पर ऑनलाइन ठगी का शिकार हुई थीं। भूमिकाबेन के मोबाइल नंबर पर जालसाज फ्रोस्टर द्वारा एक अज्ञात मोबाइल नंबर से टैक्स मैसेज भेजा गया था। इसमें कहा गया है कि आपके पिछले महीने का इलेक्ट्रिक सीटी का बिल देय है। इसलिए हम रात 9:30 बजे आपकी बिजली काट देंगे। तो भूमिमाबेन इस संदेश को देखकर डर गईं, उन्होंने संदेश में मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो सामने से बोलनेवाले ने खुद को जीईबी कर्मचारी बताया। इसके बाद भूमिकाबेन के मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजा गया और उसके जरिए रुपए का लेन-देन करने को कहा। भूमिकाबेन द्वारा अपने क्रेडिट कार्ड का विवरण जमा करके उनके बैंक खाते से 10,000 रुपये स्थानांतरित किए गए। बताया गया कि घर के बिजली के बिल से अधिक राशि बैंक से ट्रांसफर कर वह ठगी का शिकार हो गया।

दोनों ही मामलों में साइबरसेल ने पैसे तुरंत वापस कर दिए

एसबीआई क्रेडिट कार्ड के नाम पर ठगी का शिकार हुए दिनेश प्रसाद और जीईबी बिल चुकाने के नाम पर ठगी का शिकार हुई भूमिका इंजीनियर के मामले में साइबर क्राइम ने वसूली की। 24 घंटे के भीतर पैसा ठगी का पता चलने पर दोनों पीड़ित शिकायतकर्ताओं ने तुरंत साइबर थाने में संपर्क किया। साइबर पुलिस ने दोनों पीड़ितों के बैंक लेनदेन के सभी विवरण प्राप्त कर लिए और तुरंत ऑनलाइन भुगतान पर रोक लगा दी। और बाद में उस बैंक से वसूल किया गया जिससे लेनदेन हुआ था।

सहकर्मी दोस्त ने दी दगा, बैंक खाते से रुपए किए पार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. मोरागांव में रहने वाले एक युवक के साथ उसके सहकर्मी मित्र ने दगा कर उसके बैंक खाते से 18 हजार 100 रुपए पार कर दिए। इच्छापोर पुलिस के मुताबिक मोरा गांव तपोवन सोसायटी निवासी संजय कुमार शाह (32) रिलायंस में ठेके पर काम करता है। प्रबंधक ने उसे वेतन लेने के लिए बैंक खाता जरुरी होने की बात बताई थी। इस पर वह अपने सहकर्मी मित्र निकेश के साथ बैंक खाता खुलवाने गया।

खाता खुलवाते समय बैंककर्मी ने मोबाइल नम्बर मांगा। संजय का मोबाइल बंद था। इसलिए उसने भरोसा कर निकेश का मोबाइल नम्बर लिखवा दिया। 10 नवम्बर को संजय के खाते में उसके वेतन के 19 हजार 130 रुपए जमा हुए। जिसमें से एक हजार रुपए संजय ने निकाल लिए। 15 नवम्बर वह दुबारा रुपए निकालने गया तो पता चला कि खाते में एक रुपया भी नहीं है। बैंक से संपर्क किया तो पता चला कि मोबाइल नम्बर के जरिए ट्रांजेक्शन कर उसके खाते से 18 हजार 100 रुपए निकाले गए है। इस पर उसने इच्छापोर पुलिस से संपर्क किया और निकेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई।